राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 266 | जौनपुर | शुक्रवार, 16 मई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर उदया पब्लिक स्कूल में जागरूकता अभियान का हुआ आयोजन

अयोध्या ।शुक्रवार को राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर उदया पब्लिक स्कूल में जागरूकता अभियान आयोजित किया गया ।इस अवसर पर मंजुला आनंद, जिला मलेरिया अधिकारीध् जिला सर्विलेंस अधिकारी ने बताया कि संचारी रोगों विशेष कर डेंगू ,आदि से बचाव हेतु जन जागरूकता बहुत जरूरी है ।हम सभी को अपने आसपास कहीं गंदगी एवं पानी इकट्ठा नहीं होने देना चाहिए। वही लोगों को फुल आस्तीन के कपड़े पहनना चाहिए, मच्छरदानी का प्रयोग करना चाहिए, अपने कूलर, फ्रिज में लगे बाउल, गमलों आदि को नियमित रूप से साफ करना चाहिए ।डॉ पी सी भारती नोडल वेक्टर बोर्न ने डेंगू के इलाज एवं प्लेटलेट्स के बारे में जानकारी दी ।

संक्षिप्त समाचार

तुर्की का भारत विरोधी रुख बेहद गंभीर : संजय निरुपम

मुंबई, (एजेंसी)। शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम ने गुरुवार को पाकिस्तान, तुर्की और कांग्रेस पार्टी पर जुबानी हमला बोला। इसके अलावा, उन्होंने आतंकवाद पर भारत की सख्त नीति को मजबूती से समर्थन दिया। संजय निरुपम ने कहा कि जम्मू–कश्मीर के शोपियां में हुई मुठभेड़ में तीन आतंकवादियों का मारा जाना, इस बात का पुख्ता सबूत है कि पाकिस्तान अब भी आतंकियों को भारत भेजने से बाज नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि शोपियां में मारे गए आतंकियों के पास भारी मात्रा में हथियार और गोला–बारूद मिले हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि पाकिस्तान लगातार आतंकवादियों को भारत में भेजने की साजिश कर रहा है। हमारी सेना ने अद्भुत साहस का प्रदर्शन किया है और उन्हें इसके लिए पूरे देश की ओर से बधाई दी जानी चाहिए। निरुपम ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी कार्रवाईयां तब तक जारी रहनी चाहिए, जब तक पाकिस्तान से आतंकवाद की जड़ें पूरी तरह समाप्त न हो जाए। पाकिस्तान के समर्थन में तुर्की के खुले रवैये की भी निरुपम ने कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कराची एयरपोर्ट से भारत विरोधी गतिविधियों में तुर्की के ड्रोन इस्तेमाल होने की खबरें बेहद गंभीर हैं। तुर्की अब भारत का मित्र देश नहीं रहा है। उसके रुख से भारतीय नागरिकों की भावनाएं आहत हुई हैं। ट्रैवल एजेंट्स की रिपोर्ट के अनुसार 50 प्रतिशत से अधिक भारतीय पर्यटकों ने तुर्की की यात्रा रद्द कर दी है।

आतंकवाद खत्म किए बिना पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं : अतुल भातखलकर

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र भाजपा इकाई के प्रदेश प्रवक्ता अतुल भातखलकर ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि जब तक वह भारत के खिलाफ आतंकवाद और हिंसा को पूरी तरह समाप्त नहीं करता, उसके साथ किसी भी तरह की बातचीत संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत खून और पानी को एक साथ बहने नहीं देगा। भातखलकर ने कहा, ष्पहले खून बहाना बंद करो, आतंक का ढांचा खत्म करो, फिर बात होगी। व्यापार और आतंक एक साथ नहीं चल सकते। भातखलकर ने भारतीय नागरिकों द्वारा तुर्की के बहिष्कार के कदम की सराहना की। उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तान भारतीयों की जान ले रहा है, तब तुर्की को उसका समर्थन चिंता का विषय है। भारतीयों ने तुर्की से किसी भी तरह का संबंध न रखने और उनके प्रस्तावों को ठुकराने का फैसला किया है, जो राष्ट्रहित में एक मजबूत संदेश है। उन्होंने जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ भारतीय सेना की कार्रवाई को भी सराहा। भातखलकर ने कहा, कांग्रेस शासन में हर दो–तीन महीने में देश में बम धमाके होते थे, लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी के 11 साल के नेतृत्व में एक भी बड़ा विस्फोट नहीं हुआ। आतंकवाद की जड़ें पाकिस्तान में हैं, जिन्हें समाप्त किया जा रहा है।

गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भुज एयरबेस का करेंगे दौरा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर गुजरात पहुंचेंगे। वे भुज एयरबेस भी जाएंगे । रक्षा मंत्री भारत–पाकिस्तान सीमा क्षेत्र का भी

दौरा करेंगे। सिंह से इस क्षेत्र में भारतीय सशस्त्र बलों की तैयारियों का मूल्यांकन करने और पाकिस्तान की असफल ड्रोन घुसपैठ के बाद मजबूत सुरक्षा उपायों की प्रभावशीलता की जांच करने की उम्मीद है। सैन्य तनाव के बीच, पाकिस्तानी सेना ने ड्रोन का उपयोग करके भारत के भुज को निशाना बनाने का प्रयास किया था। हालांकि, भारत के सुरक्षा बलों ने वायु रक्षा प्रणालियों की सहायता से पाकिस्तान के बार–बार हमलों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया। आखिरकार, लगातार सैन्य असफलताओं का सामना करने और कोई सफलता नहीं मिलने के बाद, पाकिस्तान ने युद्धविराम की घोषणा की। स्टेशन का रनवे नागरिक भुज हवाई अड्डे के साथ साझा होता है और यह दक्षिण पश्चिमी वायु कमान (एसडब्ल्यूएसी) के तहत कार्य करता है। भुज एयरफोर्स स्टेशन, जिसमें 27 विंग स्थित है, भारत–पाकिस्तान सीमा के निकट होने के कारण वायु रक्षा और निगरानी के लिए एक महत्वपूर्ण बेस है। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार सुबह पंजाब के आदमपुर एयरबेस का दौरा किया। आदमपुर एयरबेस के दौरे के दौरान प्रधानमंत्री को वायुसेना अधिकारियों ने जानकारी दी और ऑपरेशन में शामिल कर्मियों से बातचीत की थी। आदमपुर एयरबेस भारतीय वायुसेना की पश्चिमी वायु कमान के अंतर्गत आता है। श्ऑपरेशन सिंदूरश सहित कई सैन्य अभियान पश्चिमी वायु कमान द्वारा संचालित किए गए थे। पश्चिमी वायु कमान प्रमुख एयर मार्शल जीतेंद्र चौधरी वायुसेना प्रमुख के समन्वय में मिशन की निगरानी कर रहे थे। पश्चिमी वायु कमान भारतीय वायुसेना की सबसे महत्वपूर्ण परिचालन कमानों में से एक है, जो जम्मू–कश्मीर से लेकर राजस्थान तक हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित एक विशाल और रणनीतिक क्षेत्र को कवर करती है। इस क्षेत्र में कुछ सबसे संवेदनशील सीमाएं और अग्रिम एयरबेस शामिल हैं, जो इसे पाकिस्तान से जुड़ी किसी भी हवाई सैन्य कार्रवाई का केंद्र बनाते हैं। राजनाथ सिंह ने हाल ही में भारत की पश्चिमी सीमा पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की थी। पाकिस्तान से सटे राजस्थान और गुजरात के सीमावर्ती इलाके पश्चिमी सीमा का हिस्सा हैं। देश की सीमाओं की सुरक्षा पर केंद्रित सुरक्षा समीक्षा बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस), सेना और नौसेना प्रमुखों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, मंगलवार को नई दिल्ली में हुई बैठक में पश्चिमी सीमाओं पर सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में नियंत्रण रेखा (एलओसी) और पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर स्थित आतंकवादी शिविरों को नष्ट कर दिया।

सिक्किम ने सतत विकास का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सिक्किम के लोगों को शुक्रवार को उनके राज्य स्थापना दिवस पर बधाई दी और कहा कि राज्य ने प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण सह–अस्तित्व प्रदर्शित करते हुए सतत विकास के बेहतरीन उदाहरण पेश किए हैं। राष्ट्रपति ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं सिक्किम के सभी निवासियों का भविष्य समृद्धि से भरा होने और उनके कल्याण की कामना करती हूं।'' सिक्किम 16 मई, 1975 को देश का 22वां राज्य बना था। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, ''सिक्किम के लोगों को राज्य स्थापना दिवस पर

हार्दिक बधाई। सिक्किम अपनी असीम प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपने लोगों की गर्मजोशी के लिए पहचाना जाता है। भारत में पर्यावरण के प्रति सर्वाधिक जागरुक राज्यों में से एक के रूप में सिक्किम ने प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण सह–अस्तित्व को प्रदर्शित करते हुए सतत विकास के बेहतरीन उदाहरण पेश किए हैं।

अब डिप्टी सीएम के बयान से बवाल, विवादों में आ गए

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह के विवादास्पद बयान का मुद्दा अभी थमा नहीं कि अब सूबे के डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा के विवादित बयान ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया. जबलपुर में सिविल डिफेंस वॉलिंटियर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए देवड़ा ने कहा, पूरा देश, देश की सेना और सैनिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चरणों में नतमस्तक हैं. देवड़ा ने भावुक अंदाज में कहा, मन में बहुत क्रोध था कि जो पर्यटक गए थे, उनका धर्म पूछकर चुन– चुनकर मारा गया. महिलाओं को एक तरफ खड़ा करके, उनके सामने गोली मारी गई. बच्चों के सामने गोली मारी गई. उस दिन से पूरे देश के दिमाग में तनाव था कि जब तक इसका बदला नहीं

लिया जाएगा, जब तक उन लोगों को नहीं मारा जाएगा जिन्होंने माताओं के सिंदूर को मिटाने का काम किया, तब तक चौन की सांस नहीं लेंगे. डीलर गिरफ्तार डिप्टी सीएम ने आगे कहा, यशस्वी प्रधानमंत्री जी को हम धन्यवाद देना चाहेंगे. पूरा देश, देश की सेना, सैनिक उनके चरणों में नतमस्तक हैं. उन्होंने जो जवाब दिया है, उसकी जितनी सराहना की जाए, कम है.श् प्रदेश के वित्त मंत्री देवड़ा का यह बयान ऑपरेशन सिंदूर को लेकर था, जिसके तहत भारतीय सेना ने 7 मई को पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर हमला किया था. इस ऑपरेशन में 100 से अधिक आतंकवादी और तमाम पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे. देवड़ा ने इस कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री की प्रशंसा की, लेकिन उनके बयान में सेना को प्रधानमंत्री के चरणों में नतमस्तक बताने पर विवाद खड़ा हो गया. अब इसे सेना का अपमान बताते हुए विपक्ष ने तीखी आलोचना शुरू कर दी है. परेशानी में डाले रखे छात्र कांग्रेस ने इस बयान को सेना का अपमान करार दिया है. पार्टी की ओर से पर लिखा, श्देश की सेना और सैनिक प्रधानमंत्री मोदी के चरणों में नतमस्तक हैं ये बात मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कही है. जगदीश देवड़ा का यह बयान बेहद ही घटिया और शर्मनाक है. ये सेना के शौर्य और पराक्रम का अपमान है. जब पूरा देश आज सेना के सामने नतमस्तक है।

आईटीबीपी के जवानों ने पहाड़ की चोटी पर तिरंगा फहराया : अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दुनिया की पांचवीं सबसे ऊंची चोटी माउंट मकालू पर आईटीबीपी के जवानों के सफल अभियान के लिए उन्हें बधाई दी। अमित शाह ने अपने ट्वीट में कहा कि दुनिया की पांचवीं सबसे ऊंची चोटी माउंट मकालू पर चढ़ने में आईटीबीपी के जवानों को उनकी शानदार सफलता के लिए बधाई। उन्होंने कहा कि कठिन मौसम की स्थिति का सामना करते हुए, आईटीबीपी के जवानों ने पहाड़ की चोटी पर तिरंगा फहराया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान से प्रेरित होकर सफाई अभियान चलाया तथा 150 किलोग्राम कचरा हटाया। अमित शाह ने जवानों के साहस और प्रतिबद्धता की सराहना की। इस बीच, एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने 19 अप्रैल को दुनिया की पांचवीं सबसे ऊंची चोटी माउंट मकालू (8,485 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की, जो किसी भी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) द्वारा चोटी पर चढ़ाई करने का पहला प्रयास था। यह शिखर सम्मेलन आईटीबीपी के माउंट मकालू और माउंट अन्नपूर्णा (8,091 मीटर) के ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोहण अभियान का हिस्सा था, जिसे 21 मार्च को नई दिल्ली में आईटीबीपी मुख्यालय से रवाना किया गया था। यह दोहरे शिखर मिशन, बल के इतिहास में पहला था, जिसने उच्च ऊंचाई वाले अभियानों में आईटीबीपी की स्थायी विरासत को प्रदर्शित किया। डिप्टी कमांडेंट अनूप कुमार नेगी के नेतृत्व में, डिप्टी कमांडेंट निहास सुरेश के डिप्टी लीडर के साथ, 12 सदस्यीय अभियान दल को छह के दो समूहों में विभाजित किया गया था। मकालू समूह ने 83 प्रतिशत शिखर सफलता दर दर्ज की, जिसमें पांच पर्वतारोही 19 अप्रैल को लगभग 08रू15 बजे शिखर पर पहुंचे। सफल पर्वतारोहियों में सहायक कमांडेंट संजय कुमार, हेड कांस्टेबल (एचसी) सोनम स्टोबदान, एचसी प्रदीप पंवार, एचसी बहादुर चंद और कांस्टेबल विमल कुमार शामिल थे।

हमने न्यायपालिका के आदेश का पालन किया, कांग्रेस पहले सिद्धरमैया का इस्तीफा ले : मोहन यादव

कर्नाटक, (एजेंसी)। सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के लिए अपमानजनक टिप्पणियां करने वाले मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह के

खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद उनके इस्तीफे की मांग पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार ने न्याय पालिका के आदेश का पालन किया है और आगे भी करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को शाह का इस्तीफा मांगने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है, पहले उसे कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया का इस्तीफा लेना चाहिए। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''न्यायपालिका ने जो आदेश दिया है, हमारी सरकार ने उसका पालन किया है। न्यायालय जो कहेगा, हम उस हिसाब से चलते रहेंगे।'' यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस विजय शाह के इस्तीफे की मांग कर रही है, यादव ने कहा, ''कांग्रेस तो करती रहेगी। कांग्रेस सिद्धरमैया (कर्नाटक के मुख्यमंत्री) से मांग ले (इस्तीफा)। उनके मुख्यमंत्री रहते सारे मंत्रियों पर मुकदमें चल रहे हैं।'' यादव ने कहा कि कांग्रेस केवल बात ही कर सकती है। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस का आचरण है कि उसने अरविंद केजरीवाल (दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री) का साथ कदम से कदम मिलाकर दिया, जबकि वह मुख्यमंत्री रहते जेल गए थे। कांग्रेस कहां गई थी उस समय। कांग्रेस को तो अधिकार ही नहीं है बोलने का। कांग्रेस ने बेशर्मी की जितनी हदें पार की है, आज तक किसी ने नहीं की।'' शाह ने पिछले दिनों कर्नल कुरैशी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं।

इससे फायदा-नुकसान किसे हुआ, इसकी भी जांच हो : राकेश टिकैत

करनाल, (एजेंसी)। भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने सोमवार को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले पर सरकार के साथ होने की बात कहते हुए इस बात की भी जांच की मांग की कि इस घटना से किसका फायदा और किसका नुकसान हो रहा है। उन्होंने सुरक्षा में चूक की जांच की भी मांग की। राकेश टिकैत ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि बिना भीतर वाले के कुछ नहीं हो सकता है। किसी भीतरी ने ही रास्ता बताया होगा। घटनास्थल की रेकी भी की गई होगी। पता चला है कि धर्म पूछकर लोगों को गोली मारी गई है। उससे फायदा और नुकसान किसे हुआ, इसकी भी सरकार को जांच करनी चाहिए। राजनीतिक फायदे के लिए

आतंकवादी हमला कराने के सवाल पर किसान नेता ने कहा कि इस हमले के सभी पहलुओं की जांच होनी चाहिए। सरकार के साथ होने की बात दोहराते हुए उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

पाकिस्तान का पानी रोकने के सवाल पर राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार अपने हिसाब से काम करे। जो उचित कदम उठाने चाहिए, जरूर उठाए। पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) को वापस लेने के सवाल पर उन्होंने कहा कि एक कोशिश तो करनी चाहिए। पीओके भारत में आ जाएगा तो ठीक रहेगा। वहां के लोग भी चाहते हैं कि यह भारत में मिल जाना चाहिए। हमारी सेना के पास ताकत भी है। प्रयास किया जाना चाहिए। नेहा सिंह राठौड़ पर एफआईआर हुई है। उन्होंने आरोप लगाया था कि बिहार चुनावों में पहलगाम का फायदा लेने की कोशिश की जा रही है। इस सवाल के जवाब में किसान नेता ने कहा कि जो सच बोलेगा, उसको सजा होगी। पहलगाम के बहाने कश्मीरियों को निशाना बनाने के सवाल पर राकेश टिकैत ने कहा कि कश्मीर बर्बाद हो गया है। आतंकवादी हमले के खिलाफ कश्मीर के लोग जिस तरह से सड़कों पर उतरे हैं, उससे लगता है कि वे इस हमले से बहुत दुखी हैं। हम भी कश्मीर गए हैं। जो गलत विचारधारा के लोग हैं, उन्होंने कहा है कि यहां तो डर में लोग पत्थर फेंकते थे। लोगों का कहना है कि यहां सेना है, सरकार का सपोर्ट है और हम यहां सुकून से हैं। हम अपना कारोबार करना चाहते हैं।

नूंह सड़क हादसे पर पीएम मोदी ने जताया दुख

नूंह, (एजेंसी)। हरियाणा के नूंह में शनिवार को हुए सड़क हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की है। नूंह में सुबह

करीब 10 बजे एक तेज रफ्तार पिकअप वैन ने सफाई कर्मियों को टक्कर मार दी थी, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई थी और 5 गंभीर रूप से घायल हुए थे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने पीएम के हवाले से सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा, ष्हरियाणा के नूंह में हुआ हादसा अत्यंत हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक–संतप्त परिजनों के साथ हैं। ईश्वर उन्हें इस कठिन समय में संबल प्रदान करें। इसके साथ ही मैं हादसे में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार राहत और बचाव के हरसंभव प्रयास में जुटी है। बता दें कि हरियाणा के मेवात जिले में स्थित दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। थाना फिरोजपुर झिरका सीमा के अंतर्गत इब्राहिमबास गांव के पास यह दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें 11 कर्मचारी चपेट में आ गए। वे सभी एक्सप्रेस वे की साफ–सफाई कर रहे थे। एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने अचानक सफाई कर्मचारियों को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही 6 कर्मचारियों की मौत हो गई और 5 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। उन्होंने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में भी मदद की। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कई कर्मचारी दूर तक उछलकर जा गिरे और घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सड़क पर खून के निशान और क्षत–विक्षत शवों को देख लोग स्तब्ध रह गए। हादसे के बाद एक्सप्रेस वे पर जाम लग गया, जिसे नियंत्रित करने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। प्रशासन ने तुरंत ट्रैफिक डायवर्ट कर यातायात सामान्य करने की कोशिश की। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने के साथ ही घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि हादसे में मारे गए कर्मचारियों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों और घटना की जांच की जा रही है। चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी

पंजाब में आप सरकार ने शुरू की नशा मुक्ति यात्रा, भगवंत मान के साथ मौजूद रहे अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में चल रहे ड्रग्स के खिलाफ युद्ध के बीच श्नशा मुक्ति यात्राश की घोषणा की, जिसे राज्य में नशीली दवाओं के दुरुपयोग को खत्म करने के लिए प्रशासन द्वारा शुरू किया गया है। पंजाब में नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के इस प्रयास में उनके साथ मुख्यमंत्री भगवंत मान भी होंगे। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति यात्रा पंजाब के प्रत्येक गांव और वार्ड में जाएगी ताकि नशीली दवाओं के दुरुपयोग और नशीली दवाओं की बिक्री के खिलाफ लोगों के संकल्प को मजबूत किया जा सके। यह लोगों को नशे की लत के शिकार लोगों को इलाज मुहैया कराने के लिए राजी करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगी ताकि उनकी भलाई सुनिश्चित हो सके। केजपीवाल ने इसकी शुरूआत करते हुए कहा कि पंजाब में नशे के विरुद्ध छिड़ा हुआ है युद्ध। पंजाब में नशे के विरुद्ध जबरदस्त लड़ाई चल रही है, गांव नशा मुक्त हो रहे हैं। जिन कुछ जगह नशे के बीज बचे हैं, जल्द ही उन्हें भी खत्म करेंगे। पिछली सरकारों ने पंजाब को नशे की गिरफ्त में डाल दिया था। सरकार के मंत्री नशे का कारोबार करते थे। लेकिन आज पंजाब में ईमानदार सरकार है और हमारा कोई नेता नशे का कारोबार नहीं करता है। उन्होंने कहा कि पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए हमारी जान भी हाजिर है। उन्होंने कहा कि अब पंजाब के लोगों को भी पंजाब को नशा मुक्त बनाने की जिम्मेदारी लेनी होगी। आपको किसी भी नशा तस्कर की जमानत नहीं लेनी है। इसके साथ ही नशा पीड़ित को बचाने के लिए सरकार के नशा मुक्ति केंद्र में ले जाइएगा, हम वहाँ उनकी मदद करेंगे। सरकार के सभी रिहैब सेंटर शानदार बना दिए गए हैं। हमारी सरकार सभी 13,000 गांवों में खेल के मैदान बना रही है और 3,000 पिंड में जिम शुरू किया जा रहा है मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि जाब में नशा खत्म करने के लिए सभी को मिलकर 'लोक लहर' चलानी होगी।

संपादकीय

नफरती बोल

यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश की बहादुर सेना ने जब पाक को सबक सिखा, देश को गौरव का अहसास कराया तब नफरती ट्रोल सेना, नीचता की सीमा तक गिरती नजर आई। जिसके विरोध में देश में तीखे गुस्से की लहर देखी गयी। इस बिगड़ैल ट्रोल सेना ने ऑनलाइन गाली–गलौज करने में किसी को भी नहीं बख्शा। यहां तक कि सादगी के व्यक्तित्व व गरिमापूर्ण अभिव्यक्ति वाले विदेश सचिव विक्रम मिसरी तक को नहीं छोड़ा। ओलंपिक चौंपियन नीरज चोपड़ा भी निशाने पर आए। यहां तक कि पहलगाम हमले में विधवा हुई हिमांशी नरवाल को भी नहीं बख्शा गया। इसकी वजह यह थी कि उन्होंने सांप्रदायिक सौहार्द बनाये रखने और पहलगाम की घटना के बाद कश्मीरियों को निशाने पर न लेने का आह्वान किया था। निश्चित रूप से यह देश में सामाजिक समरसता के लिये वक्त की आवाज भी थी। लेकिन सबसे परेशान करने वाली घटना वह थी, जिसमें भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश के एक मंत्री विजय शाह ने बेसिर–पैर का सांप्रदायिक सोच वाला बयान दिया। दरअसल, इस सप्ताह की शुरुआत में मंत्री विजय शाह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रेस ब्रीफ देने वाली कर्नल सोफिया के बारे में चौंकाने वाली सांप्रदायिक टिप्पणी की थी। निश्चय ही देश के लिये महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिला सैन्य अधिकारी के बारे में ऐसी टिप्पणी करना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। मंत्री ने असंगत रूप से पहलगाम में आतंक फैलाने वाले आतंकवादियों से दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से साम्य दर्शाने का कुत्सित प्रयास किया। हालांकि यह टिप्पणी सोमवार को की गई थी, लेकिन मंत्री शाह के खिलाफ प्राथमिकी मुश्किल से बुधवार रात दर्ज की गई। वह भी शासन द्वारा स्वतरू संज्ञान लेने के बजाय मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की सख्ती के बाद ही दर्ज की गई। हाईकोर्ट ने कर्नल कुरैशी के खिलाफ 'गटर की भाषा' इस्तेमाल करने के लिए मंत्री शाह को फटकार लगायी। सही मायनों में हाईकोर्ट ने न केवल मंत्री को आईना दिखाया बल्कि तमाम बेलगाम बयानबाजी करने वालों को भी सख्त संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद जब आरोपी मंत्री ने सुप्रीम कोर्ट से राहत के लिये गुहार लगायी तो सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें आड़े हाथ लिया। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को चेतावनी दी कि एक मंत्री को ऐसे समय में जिम्मेदारी की भावना के साथ बोलना चाहिए, जब देश चुनौतिपूर्ण स्थिति से गुजर रहा हो। फिर कोर्ट की सख्ती के बाद शाह ने खेद व्यक्त किया। उन्होंने फिर सफाई दी कि वह कर्नल कुरैशी का अपनी बहन से ज्यादा सम्मान करते हैं। लेकिन जैसे कमान से निकला तीर वापस नहीं लौटता है, उसी तरह उनकी अनर्गल बयानबाजी से जो नुकसान हो चुका था, उसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं है। इससे बड़ी विसंगति यह भी कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की तात्कालिक गंभीर पहल नहीं की। यह विडंबना ही है कि पार्टी नेतृत्व इंतजार का खेल खेल रहा है। वहीं दूसरी ओर आरोपी मंत्री अपने बचाव के लिये कानूनी विकल्पों को आजमाने में व्यस्त रहा है। दरअसल, भाजपा की राजनीतिक मजबूरी यह है कि जातीय समीकरणों के हिसाब से वे पार्टी के लिये महत्वपूर्ण हैं। वे उस राज्य में आदिवासी कल्याण मंत्री हैं ।

आतंकवाद के खिलाफ बदलाव की निर्णायक नीति

के.एस.

मोदी के भाषणों का गहन विश्लेषण दर्शाता है कि उनका डॉक्ट्रिन केवल शब्दों तक सीमित नहीं हैकृयह अडिग संकल्प के साथ लागू किया गया है। भारत द्वारा नौ आतंकवादी शिविरों का खात्मा और पाकिस्तान के ग्यारह एयर बेसों को नष्ट करना इस नई नीति का प्रत्यक्ष प्रमाण है। संदेश स्पष्ट है कि चरमपंथियों को, चाहे वे पाकिस्तान सेना द्वारा शरण प्राप्त करें या स्वतंत्र रूप से कार्य करें, राज्य कर्ताधर्ता के रूप में माना जाएगा और दोनों को प्रतिशोध का सामना करना पड़ेगा। मोदी ने इस डॉक्ट्रिन का उपयोग एक व्यापक वैश्विक संदेश देने के लिए भी किया हैकृपाकिस्तान की आतंकवादी नीति केवल भारत की समस्या नहीं है। प्रधानमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि इस्लामाबाद का आतंकवादी नेटवर्क पश्चिमी शक्तियों को भी निशाना बना चुका है। संयुक्त राज्य अमेरिका पर हुए 9\11 के हमले और लंदन मेट्रो में हुए घातक बम विस्फोटों के तार पाकिस्तान में प्रशिक्षित आतंकवादियों से जुड़े हुए हैं। मोदी के अनुसार, पाकिस्तान में राज्य और आतंकवाद एक–दूसरे से जुड़े हुए हैं, जिससे यह देश अपने प्रॉक्सी युद्ध के कृत्यों में सम्मिलित हो जाता है। घरेलू स्तर पर, मोदी डॉक्ट्रिन की सफलता 2029 के लोकसभा चुनावों और आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में बीजेपी की संभावना को बढ़ा सकती है। आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ रुख 2019 पुलवामा हमले के बाद की सर्जिकल स्ट्राइक जैसे राष्ट्रवादी भावनाओं को सशक्त बना सकता है, जो चुनावी गति में एक महत्वपूर्ण कारक साबित हो सकता है। मोदी सरकार की निर्णायक कार्रवाइयां प्रभावी रूप से चुनावी अभियानों में इस्तेमाल की गई हैं, मोदी को एक मजबूत नेता के रूप में प्रस्तुत किया गया है जो भारत की संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है। विपक्षी दलों के लिए इस विमर्श को नकारने में मुश्किल हो सकती है, क्योंकि वे राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में अक्सर रक्षात्मक नजर आते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह डॉक्ट्रिन इतिहास में एक परिवर्तनकारी नीति के रूप में अंकित होगा, जिसने पाकिस्तान की आतंकवाद–प्रेरित गतिविधियों के प्रति भारत के दृष्टिकोण को निर्णायक रूप से फिर से परिभाषित किया। दशकों तक, सीमा पार आतंकवाद को कूटनीतिक आदान–प्रदान और तपे–तुले उत्तरों के साथ निपटा गया था। लेकिन मोदी के नेतृत्व में, भारत ने यह घोषणा की है कि आतंकवादी हमलों को अब युद्ध की कार्रवाई के रूप में माना जाएगाकृजिसमें सबसे कड़ा दंड, सीमा पार हमलों और आतंकवादियों और उनके संरक्षकों के खिलाफ प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया शामिल होगी। मोदी डॉक्ट्रिन का एक और प्रमुख पहलू पाकिस्तान द्वारा प्रचारित परमाणु युद्ध के खतरे को नष्ट करना है। इस्लामाबाद की आदत बन चुकी परमाणु कूटनीति अब प्रभावहीन हो गई है, क्योंकि भारत ने यह प्रदर्शित कर दिया है कि वह परमाणु डर को दरकिनार करते हुए निर्णायक प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार है। सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयरस्ट्राइक इस बदलते दृष्टिकोण का जीवित प्रमाण हैं। भारत की सीमा पार जाकर आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने की तत्परता न केवल भारत की सुरक्षा को सुनिश्चित रखती है, बल्कि इसने एक शक्तिशाली वैश्विक संदेश भी दिया है। इसने यह प्रदर्शित किया कि राष्ट्रों के पास आतंकवाद की जड़ें नष्ट करने का संप्रभु अधिकार है, यदि कोई और विकल्प न हो, और यह सिद्धांत अमेरिका, इस्राइल जैसे अन्य देशों के लिए भी प्रासंगिक है जो समान खतरों का सामना कर रहे हैं। यह डॉक्ट्रिन केवल भारत की सुरक्षा रणनीति नहीं हैकृइसने एक वैश्विक दृष्टिकोण स्थापित किया है, जिससे अन्य राष्ट्रों को सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ सक्रिय रुख अपनाने के लिए प्रेरित किया है। यह डॉक्ट्रिन भारत की स्वदेशी और रूसी एस–400 मिसाइल रक्षा प्रणालियों और अन्य हथियारों की श्रेष्ठता पर आधारित है, जो पाकिस्तान द्वारा तैनात चीनी हथियारों और रडार प्रणालियों से अधिक प्रभावी हैं। यह तकनीकी बढ़त भारत के रणनीतिक आत्मविश्वास को बढ़ाती है और सीमा पार खतरों से निपटने में मदद करती है। राफेल लड़ाकू विमान की खरीद, उन्नत मिसाइल प्रणालियों का समावेश और सशस्त्र बलों का आध ुनिकीकरण इस डॉक्ट्रिन को मजबूत करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि कोई भी प्रतिकारात्मक हमला तकनीकी श्रेष्ठता से समर्थित हो। मोदी डॉक्ट्रिन ने भारत को एक प्रतिक्रियाशील राज्य से एक सक्रिय शक्ति में बदल दिया है,

युद्ध से पहले युद्ध जीतने की रणनीति

ले. जन.

ऑपरेशन सिंदूर का अचानक खत्म हो जाना चौंकाने वाली घटना थी दृ वास्तव में, परीक्षा में 'पाठ्यक्रम से बाहर' का सवाल आने जैसा! गनीमत कि फुल स्केल वॉर टल गयी और उम्मीद करें कि संघर्ष विराम उल्लंघन न हो। भले ही सशस्त्र बल हमारी सीमाओं पर सतर्क नजर रखेंगे, लेकिन कुछ निष्कर्षों पर गर्मागर्म बहस हो सकती है। पाकिस्तान के नेतृत्व की ओर से नवीनतम उकसावा रणनीतिक नहीं था दृ लक्षणात्मक था। चिरपरिचित लहजे में, शब्दावली में नीति पर कम और दिखावे पर जोर ज़्यादा था, शिकायतों का पुलिंदा, ऐतिहासिक अन्याय और वैचारिक खतरे को दोहराने वाला संबोधन था। लेकिन कुछ बुनियादी बदलाव आया है कि दुनिया ने सुनना बंद कर दिया। भारत ने भी प्रतिक्रिया नहीं दी। यह चुप्पी खंडन से ज़्यादा जोरदार रही। भारत के लिए, यह घड़ी प्रतिक्रिया की नहींदृ उसे उजागर करने की रही। पाकिस्तान, जो कभी राष्ट्र होता था, अब एक टोला बन चुका है, भ्रमित लोगों का टोला, जिसमें अराजकता और टकराव की बात करने वाले कुछ लोगों ने स्थिरता–सम्मान के चाहवानों को दबा रखा है। चिंगारी विफल हुई रू कश्मीर का प्रत्युत्तर रू अगर पर्यटक नरसंहार का उद्देश्य कश्मीर में अशांति भड़काने का था, तो प्रतिक्रिया उद्वेग विहीन रही। पहलगाम और घाटीभर में, असंतोष की लपटें नहीं उठी, कोई गुस्साई भीड़ नहीं। रोजमर्रा जिंदगी चलती रही। लोगों ने रोष प्रदर्शन के बजाय शांति का संकल्प चुना। भारत आहत हुआ। यह भारत का पहला और गहनतम उत्तर था। भाषणों से नहीं, बल्कि स्थिरता से। भारत की ताकत इसकी विविधता की संबद्धता में है। कश्मीर में भी– कन्याकुमारी या कोहिमा की भांति– संविधान संबद्धता की गारंटी देता है। सशस्त्र बल इसे यकीनी बनाते हैं, लोग कायम रखते हैं। भारत की विविधता में एकता, कमजोरी नहीं, अब रणनीतिक सिद्धांत है। फूट डालने के आह्वान का उत्तर बयानबाजी से नहीं, बल्कि टिकाऊ सत्य से दिया गया रू भारत अनेक है, फिर भी एक है। बिना दिखावे के सटीकता रू जब उधर लाउडस्पीकरों पर दमगजे गूंज रहे थे, भारत ने कार्रवाई की– चुपचाप, सटीक और बिना नाटकीयता। नियंत्रण रेखा पार और उसके आगे जाकर आतंकी ढांचे पर हमलों की घोषणा धूमधाम से नहीं की। हमले नपे–तुले, प्रभावी और उद्देश्यपूर्ण थे। फिर भी, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया की भाषा रही रू मौन। पाकिस्तान द्वारा संयुक्त राष्ट्र की सूची में शामिल आतंकवादियों की मेजबानी करने, उनके शव सैन्य झंडे में लपेटने, उनका कफन–दफन राजकीय सम्मान से करने पर किसी ने ऐतराज नहीं किया। सवाल नहीं उठा कि वैश्विक तौर पर घोषित हत्यारों को सलामी देकर इज्जत क्यों की दी जाती है। वैश्विक व्यवस्था, एक बार फिर, अपनी कसौटी पर खरी नहीं उतरी। हालांकि, भारत का लक्ष्य तालियां बटोरना नही था, यह प्रतिकर्म निवारक था। संदेश स्पष्ट था रू भारत की सीमा रेखा अब सरक चुकी है। प्रतिक्रियाएं अब बिना शोर–शराबा, किंतु वजनदार होंगी। तनाव बढ़ना, फिर घटना भारत की शर्तों पर दृ पाकिस्तान की प्रतिक्रिया ढर्रे की रही रू मिसाइलों, ड्रोन से हमला। ज़्यादातर को भटका दिया या मार गिराया, बाकी बेअसर कर डाले। इसने हमारी दूसरी प्रतिक्रिया शुरू कराई दृ नपी–तुली, किंतु सटीक। न केवल आतंकी शिविरों, बल्कि सैन्य हवाई अड्डों को भी निशाना बनाया। अंधाधुंध नहीं बल्कि बहुत सोच–समझकर। यह केवल तनाव बढ़ाने की खातिर टकराव बढ़ाना नहीं था। इस कार्रवाई में सिद्धांत था। सटीकता थी, जिसने क्षमता, इरादे और संयम को प्रेषित किया। इससे उसे करारी चोट पहुंची। और यह कारगर रहा। पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक ने ध ामकी देकर नहीं, बल्कि तनाव घटाने के आह्वान के साथ संपर्क किया। भारत ने स्वीकार किया– बतौर रियायत नहीं, बल्कि नियंत्रण। इस पलों पर संचालन सधा रहा : न ध ामकाया, केवल नपा–तुला परिणाम। यह सदा बहस का विषय रहा लेकिन संघर्ष समाप्त करना आसान विकल्प नहीं होता। अपनी प्रतिक्रिया को लेकर भारत ने नई सीमा तय कर दी। उसे घोषित करने की जरूरत नहीं दृ कार्रवाई में सबूत मिला। संदेश रू भारत युद्ध शुरू नहीं करेगा,लेकिन तय करेगा शुरू कब हो और खत्म कब हो। रणनीतिक परिपक्वता ही असली निवारक रू यह कोई आग में घी डालना नहीं था, एक परीक्षण था। और, भारत ने अपनी प्रतिक्रिया नाप–तोलकर और प्रभावी दी। प्रतिक्रियात्मक झड़पों का युग बीत चुका है। इसकी जगह संतुलित शक्ति प्रदर्शन ने ले ली है। जरूरत पड़े, तभी वार करें। जब दुश्मन को दर्द महसूस हो, तब रुक जाएं। दिखावा नहीं, परिचालन करें। किस वजह से यह बदलाव बना? रू क्षमता से– भारत के पास आज असलियत में विभिन्न विकल्पों की काबिलियत है। लेकिन अहम है स्पष्टता। संवाद और आतंक एक साथ जारी नहीं रह सकते। एक खुले लोकतंत्र में और राष्ट्र द्वारा संचालित आतंकवादी समूह के बीच कोई 'नैतिक समानता' नहीं। यह परिपक्वता आकस्मिक नहीं, संस्थागत सुधार, नागरिक–सैन्य सामंजस्य और राष्ट्रीय स्पष्टता से उपजी है। भारत युद्ध नहीं चाहता लेकिन अब यदि बढ़ता है, तो भय भी नहीं। इसे कैलिब्रेटेड डेटरेंस जाता है। इसके विपरीत, पाकिस्तान का आंतरिक क्षय उजागर हो गया। उसका परमाणु ब्लैकमेल अब डेटेरेंस न रहकर बस धमकी रह गया। दुनिया ने भी देख लिया। भारतीय प्रधानमंत्री ने ब्लैकमेल का जिक्र किया और भावी आतंकवादी हमलों को युद्ध कार्रवाई मानने का ऐलान किया।

.... विविध ....

शौक से खा रहे हैं तरबूज तो पहले जान लें इसके नुकसान, इन लोगों को नहीं करना चाहिए सेवन

गर्मियों के मौसम में तरबूज एक ऐसा फल है जो न सिर्फ स्वादिष्ट होता है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। इसमें विटामिन ए, बी 6, सी, पोटैशियम, मैग्नीशियम, थायमिन

और फास्फोरस जैसे पौष्टिक तत्व होते हैं। इन सभी गुणों के चलते तरबूज को सेहत के लिए एक बेहतरीन फल माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ लोग हैं जिनके लिए तरबूज का सेवन हानिकारक हो सकता है? जी हां, कुछ लोगों के लिए तरबूज का सेवन नुकसानदेह साबित हो सकता है। आइए जानते हैं उन लोगों के बारे में जिन्हें तरबूज का सेवन नहीं करना चाहिए।

डाइजेशन की समस्या वाले लोग

गर्मियों के मौसम में अक्सर लोग पाचन से जुड़ी समस्याओं का सामना करते हैं। तरबूज पाचन के लिए लाभकारी माना जाता है क्योंकि यह पेट को ठंडक प्रदान करता है और आसानी से पच जाता है। लेकिन जिन लोगों को पाचन से संबंधित समस्याएं हैं, जैसे कि गैस, अपच या पेट में सूजन, उनके लिए तरबूज का सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। दरअसल, तरबूज में लाइकोपीन नामक तत्व पाया जाता है, जो कभी–कभी पाचन में गड़बड़ी कर सकता है। इसलिए, जिन लोगों को इस तरह की समस्याएं होती हैं, उन्हें तरबूज का सेवन थोड़ा ध्यान से करना चाहिए।

ब्लड शुगर वाले लोग

तरबूज में नेचुरल शुगर और हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है। इसका मतलब है कि तरबूज खाने के बाद रक्त में शर्करा का स्तर तेजी से बढ़ सकता है। अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं या आपके शरीर में शर्करा का स्तर बढ़ा रहता है, तो आपको तरबूज का सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। अधिक मात्रा में तरबूज का सेवन आपके ब्लड शुगर को अधिक बढ़ा सकता है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

एलर्जी की समस्या वाले लोग

कई लोगों को तरबूज खाने से एलर्जी की समस्या हो सकती है। अगर आप उन लोगों में से हैं जिन्हें किसी खास खाद्य पदार्थ से एलर्जी होती है, तो आपको तरबूज खाने से बचना चाहिए। एलर्जी के लक्षणों में त्वचा पर पित्ती, सूजन, या सांस लेने में परेशानी हो सकती है। यदि आपको तरबूज खाने के बाद कोई असहजता महसूस हो, तो तुरंत उसका सेवन बंद कर दें और डॉक्टर से सलाह लें।

लिवर से संबंधित समस्याएं

तरबूज का सेवन अधिक मात्रा में करने से लिवर में सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। तरबूज में लाइकोपीन की उच्च मात्रा होती है जो लिवर की समस्या को और बढ़ा सकती है। अगर आपको लिवर से संबंधित कोई समस्या है, जैसे कि फैटी लिवर या लिवर डैमेज, तो आपको तरबूज का सेवन बहुत कम मात्रा में करना चाहिए या फिर इसे पूरी तरह से ंअवपक करना चाहिए। यह आपके लिवर के स्वास्थ्य को और बिगाड़ सकता है।

तरबूज एक बहुत ही लाभकारी फल है, जो गर्मियों के मौसम में शरीर को ठंडक और ऊर्जा प्रदान करता है। तरबूज के सेवन से होने वाले फायदे के साथ–साथ इसके नुकसान को भी समझना जरूरी है ताकि आप इसका सही तरीके से और सुरक्षित रूप से सेवन कर सकें।

शरीर की इन 5 जगहों पर भूलकर भी न बनवाएं टैटू, बाद में पछतावा और स्किन को होगा नुकसान

आज के दौर में टैटू बनवाना सिर्फ फैशन नहीं, बल्कि खुद को एक्सप्रेस करने का एक तरीका बन चुका है। चाहे यंगस्टर्स हों या फिर बड़े लोग, हर कोई अपनी बॉडी पर टैटू बनवाकर खुद को खास दिखाना चाहता है। कोई अपने फेवरेट कोट्स लिखवाता है, तो कोई किसी खास इंसान का नाम या तस्वीर अपनी स्किन पर उकेरता है। टैटू आजकल शरीर के कई हिस्सों पर बनवाए जाते हैं जैसे गर्दन, हाथ, पीठ, कमर आदि।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि शरीर की कुछ ऐसी जगहें भी होती हैं, जहां टैटू बनवाना नुकसानदायक हो सकता है? इन जगहों पर टैटू बनवाना न सिर्फ बेहद दर्दनाक होता है, बल्कि इससे स्किन इंफेक्शन, नर्व डैमेज और एलर्जी जैसी गंभीर समस्याएं भी हो सकती हैं।

अगर आप भी टैटू बनवाने की सोच रहे हैं, तो पहले ये जान लीजिए कि शरीर के कौन–कौन से अंगों पर टैटू बनवाना सही नहीं है। हाथों पर टैटू

हाथ हमारे शरीर का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला हिस्सा है। यहां की स्किन पतली होती है और बार–बार धुलने, धूप और रगड़ (फ्रिक्शन) के कारण टैटू जल्दी फीका पड़ जाता है। साथ ही, हथेली और उंगलियों पर बनवाया गया टैटू बहुत जल्दी मिटता है। इसके अलावा, हाथों की हड्डियों के पास स्किन पतली होने की वजह से यहां टैटू बनवाना बेहद दर्दनाक भी हो सकता है।

बाइसेप्स के नीचे और बगल (अंडरआर्म्स)

बगल या अंडरआर्म्स शरीर का सबसे सेंसिटिव हिस्सा होता है। यहां स्किन बहुत नाजुक होती है और टैटू बनवाते समय काफी दर्द महसूस होता है। साथ ही, यहां पसीना ज्यादा आता है, जिससे टैटू जल्दी खराब होने की संभावना रहती है। पसीने की वजह से स्किन इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है।

कोहनी

कोहनी की स्किन मोटी और सूखी होती है। यहां टैटू बनवाना दो कारणों से मुश्किल होता है कृ एक तो इंक ठीक से सेट नहीं होता और बार–बार टच–अप की जरूरत पड़ती है, दूसरा, कोहनी पर स्किन के नीचे सीधी हड्डी होती है जिससे टैटू बनवाने के समय काफी दर्द होता है।

पैरों के तलव

पैरों के तलवे लगातार जमीन के संपर्क में रहते हैं और वहां की त्वचा मोटी होती है। चलते रहने, पसीना आने और घर्षण के कारण यहां टैटू टिकता नहीं है। इंक फैल सकता है या टैटू धुंधला पड़ सकता है। साथ ही, इस जगह पर टैटू बनवाना बेहद असहज और दर्दनाक होता है।

हथेलियां

हथेलियों की स्किन पर टैटू जल्दी नहीं टिकता क्योंकि यह हिस्सा हमेशा किसी न किसी काम में लगा रहता है

और वहां की स्किन जल्दी रीजेनरेट होती है। इस कारण से यहां टैटू बहुत जल्दी मिट सकता है। इसके अलावा, हथेली पर टैटू बनवाना बहुत दर्दभरा अनुभव हो सकता है और इसे पूरी तरह ठीक होने में समय लगता है।

टैटू बनवाना अगर सोच–समझकर किया जाए तो यह आपकी पर्सनैलिटी को शानदार लुक दे सकता है। लेकिन अगर गलत जगह बनवा लिया जाए तो यह एक बड़ी परेशानी भी बन सकता है। टैटू बनवाने से पहले हमेशा किसी प्रोफेशनल आर्टिस्ट की सलाह लें और शरीर की संवेदनशील जगहों से बचें। स्वास्थ्य से समझौता करना किसी भी फैशन ट्रेंड से ज्यादा महंगा साबित हो सकता है।

दीपिका कक्कड़ को है कैंसर लिवर ट्यूमर का नाम सुनकर डर गए हैं आप तो पहले

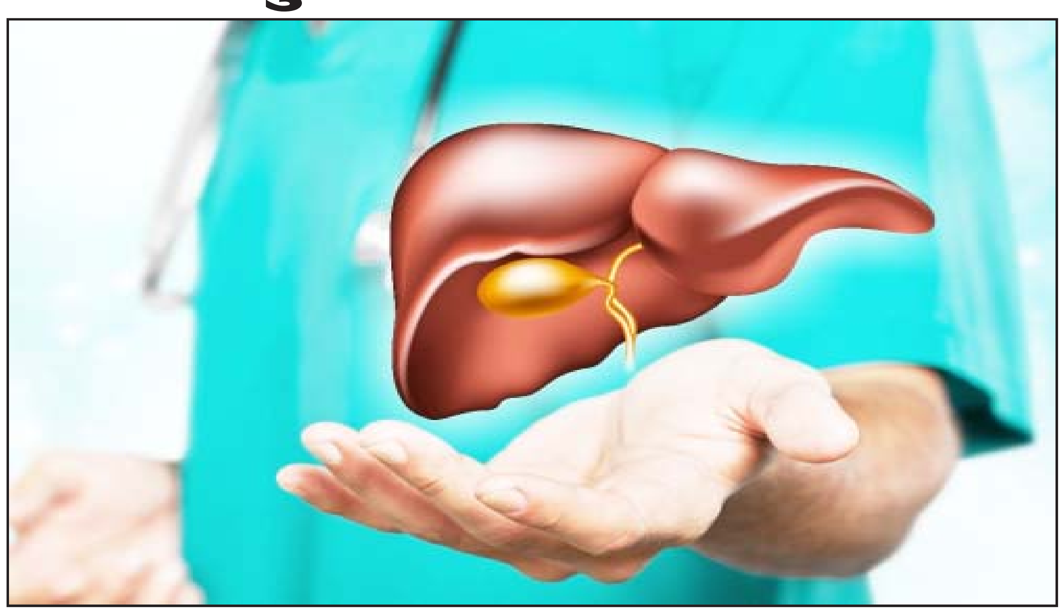

पिछले कुछ सालों से लिवर की समस्या बढ़ती जा रही है। दुनिया भर में करोड़ों लोग लिवर को लेकर परेशान हैं, अब इस लिस्ट में टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ का भी नाम जुड़ गया है। हाल ही में पता चला है कि उन्हें लिवर में टेनिस बॉल जितना ट्यूमर पाया गया है। बहुत से लोग लीवर में गांठें या ट्यूमर को कैंसर मान बैठते हैं, पर ऐसा नहीं है। इन दिनों सौम्य लीवर ट्यूमर की समस्या भी काफी देखने को मिल रही है। ये आमतौर पर हानिकारक नहीं होतीं और ज़्यादातर मामलों में किसी गंभीर समस्या का कारण नहीं बनतीं।

सौम्य लीवर ट्यूमर के प्रकार

हेमांगीओमा – यह सबसे आम सौम्य लीवर ट्यूमर होता है। यह रक्त वाहिकाओं (इसववक अमेमसे) का असामान्य जमाव होता है। ज़्यादातर मामलों में इसके कोई लक्षण नहीं होते और इसमें इलाज की जरूरत नहीं पड़ती। कभी–कभी बड़े आकार के हेमांगीओमा पेट में भारीपन या दर्द दे सकते हैं।

फोकल नोड्यूलर हाइपरप्लेसिया– यह भी एक गैर–कैंसरयुक्त गांठ है जो लीवर में बनती है। इसमें लीवर की सामान्य कोशिकाओं का असामान्य लेकिन सौम्य जमाव होता है। यह खासकर 20 से 50 वर्ष की उम्र की महिलाओं में अधिक होता है। आमतौर पर कोई लक्षण नहीं होता और इसका इलाज नहीं किया जाता।

हेपाटोसेलुलर एडेनोमा– यह भी एक सौम्य ट्यूमर है, लेकिन कभी–कभी यह फट सकता है या कैंसर में बदल सकता है, इसलिए इसकी निगरानी जरूरी होती है। यह अधिकतर उन महिलाओं में होता है जो लंबे समय तक हार्मोनल गर्भनिरोधक गोलियों का उपयोग करती हैं। यदि यह बड़ा हो जाए या लक्षण दे तो डॉक्टर इसे सर्जरी से हटाने की सलाह दे सकते हैं।

लक्षण अगर हों तो

–पेट के दाईं ओर भारीपन या हल्का दर्द

–पेट में सूजन

–बहुत ही कम मामलों में रक्तस्राव या गांठ का फटना

जांच

–अल्ट्रासाउंड

–ब्लड टेस्ट

इलाज

अधिकतर मामलों में इलाज की आवश्यकता नहीं होती जब तक कोई लक्षण या जटिलता न हो। अगर ट्यूमर बड़ा हो, फटने का खतरा हो या लक्षण दे रहा हो, तो सर्जरीकी जा सकती है। नियमित निगरानी आवश्यक हो सकती है।सौम्य लीवर ट्यूमर आमतौर पर नुकसानदायक नहीं होते और बिना इलाज के भी जीवन सामान्य रूप से चलता है। लेकिन किसी भी प्रकार की लीवर की गांठ की सटीक जांच और डॉक्टर से परामर्श बहुत जरूरी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह कैंसरयुक्त नहीं है।

लिवर कैंसर की ऐसे होती है पहचान

लिवर कैंसर का सबसे पहला इशारा (प्रारंभिक लक्षण) अक्सर बहुत हल्का और सामान्य होता है, जिस वजह से इसे जल्दी पहचानना मुश्किल होता है। दाईं तरफ पेट के ऊपरी हिस्से में हलका या लगातार दर्द या भारीपन इसका सबसे पहला इशारा है। यह लिवर की जगह होती है। यदि वहां लगातार दबाव या दर्द महसूस हो, तो यह लिवर में गड़बड़ी का संकेत हो सकता है।

लिवर कैंसर के अन्य शुरुआती लक्षण

–भूख कम लगना

–वजन का अचानक गिरना

–थकान और कमजोरी

–पेट में सूजन या भारीपन

–त्वचा और आंखों का पीला होना ।

शिक्षा और संस्कारों की पाठशाला है विद्या मंदिर व सरस्वती शिशु मंदिर - कुशी बाजपेई

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

विद्या भारती द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर व विद्या मंदिर का का विकासखंड की सभागार में छात्र संसद का गठन किया गया। जिसमें सभी छात्र छात्राओं के द्वारा शिशु मंदिर के छात्र अभी यादव को अध्यक्ष , अनन्या सिंह मंत्री,स्वपलीन को सेनापतिपद पर चुना गया। विद्या मंदिर में देवकीनंदन सोनी को प्रधानमंत्री दीपिका सिंह उप प्रधानमंत्री, आयुष बाजपेई संसदीय कार्य मंत्री, अनंत शेखर शुक्ला न्यायाधीश, राज सिंह सरकारी वकील, अंश मिश्रा विपक्ष वकील, छात्राओं की तरफ से अध्यक्ष राखी राठौर , उपाध्यक्ष सौम्या गुप्ता , मंत्री समृद्धि, शिवानी राठौर सेनापति पद के लिए चुना गया। शुक्रवार को नव निर्वाचित सभी सदस्यों को मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख कुशी बाजपेई ने शपथ दिलाई । कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के कार्यालय प्रभारी व वरिष्ठ आचार्य समीर वाजपेई ने किया। मुख्य अतिथि कुशी बाजपेई , विकासखंड अधिकारी अरुण कुमार , वरिष्ठ पत्रकार नवनीत वाजपेई रुचि , बृजेश गुप्ता ,कुलदीप दीक्षित आदि ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि कुशी बाजपेई ने कहा कि यही बच्चे देश का भविष्य है। बच्चों में बाल्यावस्था से ही दायित्व बोध ग्रहण कराना, साहस धैर्य और परिश्रम के प्रति प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा और संस्कार देने का काम विद्या भारती की ओर से संचालित शिक्षण संस्थानों में होता है। उन्होंने कहा कि शिशु मंदिर और विद्या मंदिर में पढ़ने वाले छात्रों के अंदर बाल्यकाल से ही देशभक्ति और संस्कार के बीच रोपे जाते हैं। सफल कार्यक्रम के लिए सरस्वती शिशु मंदिर की प्रधानाचार्य बिंदु सिंह ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता की ओवरऑल चैंपियन बनी जिला मुरादाबाद की टीम

(लखनऊ टीम का रहा बेहतर प्रदर्शन)

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ ।चौक स्थित नेहरू युवा केंद्र में दो दिवसीय उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता का समापन हो गया, जिसमें बालक वर्ग के खिलाड़ियों ने अपना दम खम दिखाया। प्रतियोगिता का समापन आर्म रेसलिंग एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष मनोज वर्मा, महासचिव शाहवेज अली व कोषाध्यक्ष अकमल खान द्वारा किया गया।

प्रतियोगिता के अंतिम दिन बालक वर्ग की प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें सब जूनियर बालक वर्ग राइट हैंड से अंडर 40 किलोग्राम भार वर्ग में योग प्रकाश ने स्वर्ण पदक, मोहम्मद हमजा ने रजत पदक जीता, अंडर 45 किलोग्राम वर्ग में आसिफ ने स्वर्ण व अभिनव कुमार ने रजत पदक जीता, अंडर 55 किलोग्राम वर्ग में यथार्थ शर्मा ने स्वर्ण पदक, युवराज ने रजत, पंकज और यश सैनी ने कांस्य पदक जीता । जूनियर बालक वर्ग राइट हैंड से अंडर 50 किलोग्राम वर्ग में मुकेश ने स्वर्ण, सूर्यांश ने रजत व भविष्य और जैन मलिक ने कांस्य पदक जीता, अंडर 55 किलोग्राम भार वर्ग में अरुण राजभर ने स्वर्ण, सिद्धांत कुमार ने रजत, किशन कुमार और आर्यन त्यागी ने कांस्य पदक जीता, अंडर 60 किलोग्राम में आर्यन शर्मा ने स्वर्ण, आदित्य त्रिपाठी ने रजत, शुभम गौंड व कार्तिक वर्मा ने कांस्य पदक जीता, अंडर 65 किलो में विवेक वर्मा ने स्वर्ण, समद खान से रजत, सत्यम प्रजापति व लक्की ने कांस्य पदक जीता, अंडर 70 किलोग्राम नैतिक ने स्वर्ण, आशुतोष सिंह ने रजत, अक्षय सिंह व सुमंत कुमार कांस्य पदक जीता, ओवर 80 किलो में आदित्य कुमार ने स्वर्ण पदक, देवांश भारद्वाज ने रजत, अक्षित चौधरी व शुभांग सिंह ने कांस्य पदक जीता।

यूथ बालक वर्ग अंडर 75 किलोग्राम वर्ग में राघव भयाडिया ने स्वर्ण, राज सिंह ने रजत पदक जीता, अंडर 80 किलोग्राम में अरब वत्स ने स्वर्ण व अक्ष कश्यप ने रजत पदक जीता, ओवर 80 किलो वर्ग में वरदान सिंह ने स्वर्ण पदक जीता।

सीनियर बालक वर्ग में अंडर 65 किलोग्राम में अमन कुमार ने स्वर्ण, अंडर 70 किलोग्राम वर्ग में दाऊद ने स्वर्ण, अंडर 90 किलोग्राम देवांश ने स्वर्ण, अंडर 100 किलो में अभिषेक ने स्वर्ण पदक जीता ।

निर्णायक मंडल में अर्शिल अयाज, आदित्य जायसवाल, विवेक, शादाब, अर्णव, प्रशांत गुप्ता, उत्सव शर्मा, सौरभ त्रिपाठी आदि मौजूद रहे। प्रतियोगिता को सफल बनाने में राम पल शर्मा, अभिषेक विश्वकर्मा, मोहम्मद इकराम, अर्जुन चौधरी, हिंप्रीत सिंह, मुकेश पाल, उदित राज आदि ने विशेष सहयोग किया।

संक्षिप्त समाचार

यूपी बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को जिलाधिकारी ने किया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर यूपी बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं का शुक्रवार को विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में डीएम डॉ दिनेश चंद्र और सीडीओ ध्रुव खड़िया ने छात्रों को सम्मानित किया। हाईस्कूल में आस्था प्रजापति ने प्रथम, आयुषी शुक्ला ने द्वितीय और रूपांशी अग्रहरि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इंटरमीडिएट में अजय यादव प्रथम, अंजली अग्रहरि द्वितीय, सृष्टि त्रिपाठी तृतीय और दीपांशी ने चौथा स्थान हासिल किया। सभी मेधावी छात्रों को प्रशस्ति पत्र और मेडल प्रदान किए गए।

समारोह में मेधावी छात्रों के अभिभावक, विद्यालयों के प्रधानाचार्य और प्रबंधक भी उपस्थित रहे। डीएम ने छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने ईमानदारी और कठिन परिश्रम से जिले और परिवार का नाम रोशन किया है। सीडीओ ने भी छात्रों की उपलब्धि की प्रशंसा की।

सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अलख जगाने वाले दूल्हा-दुल्हन को किया गया सम्मानित

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

दहेज, नशा और जाति-धर्म को लेकर भेदभाव करने जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अलख जगाने वाले दूल्हा-दुल्हन को समाजसेवी जोगराज सिंह ने बुद्ध की मूर्ति भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर पूर्व प्रधान कासिम, किसान नेता रणजीत सिंह राणा फौजी, बबलू पाल, मैनेजर वेद प्रकाश, राजकुमार, विमलेश कुमार और पप्पू आदि ने नव दंपत्ति की सराहना करते हुए आशीर्वाद दिया। यह मौका था प्रदीप कुमार गौतम निवासी लोकपुर, पोस्ट कुसुमा तथा उपासना निवासी पिरालपुर पोस्ट भदेउसा के विवाह का। वर और वधू दोनों ही बौद्ध धर्म के सिद्धांतों

के अनुरूप सामाजिक बुराइयों के खिलाफ निरंतर लोगों को जागरुक करते रहते हैं। दोनों ने दहेज रहित विवाह करने का संकल्प लिया। बरातियों और जनातियों से आग्रह किया कि वह विवाह समारोह में शराब पीकर हुड़दंग नहीं करेंगे। समाजसेवी योगराज का कहना है कि वह सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आगे आने वाले युवाओं को भविष्य में भी प्रोत्साहित करते रहेंगे।

उत्साह और सहभागिता के साथ आयोजित होंगे योग के कार्यक्रम- कुलपति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने राजभवन के आदेश के क्रम

में जून माह में होने वाले 10 योग कार्यक्रमों के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए शुक्रवार को कुलपति कार्यालय में आयोजन समिति के साथ बैठक की. बैठक में श्एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम पर कार्य योजना तैयार की गई. कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक उत्सव की तरह है. इससे जुड़े सभी १० कार्यक्रम पुरे उत्साह और सहभागिता के साथ आयोजित किये जाए। प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल द्वारा विश्वविद्यालयों में आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को अधिक प्रभावी एवं आकर्षक बनाने के लिए 10 प्रकार के कार्यक्रम करने हेतु सुझाव दिए गए है. यह कार्यक्रम 1 जून से 21 जून तक होंगे.। इसमें विरासत से विकास, योग की भूमिका पर परिचर्चा, एक साथ योगः संकल्प और सामूहिकता का प्रतीक के अंतर्गत भव्य योग प्रदर्शन का आयोजन किया जायेगा. इसके साथ ही ज्ञान और अनुभव का संगम विषय पर अंतर्राष्ट्रीय योग संगोष्ठी, विश्वविद्यालय में एक योग पार्क विकसित किया जाएगा जहाँ विद्यार्थी एवं शिक्षक शांत वातावरण में योगाभ्यास कर सकें. योग पर पुस्तक का भी प्रकाशन होगा. योग स्वस्थ समाज की ओर बढ़ते कदम सोच के साथ मैराथन का आयोजन होगा. विश्वविद्यालय में अमृत सरोवर के पास एक चंदन वाटिका बनाई जाएगी. ऊर्जा और एकाग्रता का अनुभव के लिए सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया जाएगा।

खर पतवार से बचने के लिए ट्राईकोडर्मा हारजेनियम का करें छिड़काव:- विनीत कुमार

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

कृषि रक्षा अधिकारी विनीत कुमार ने बताया है कि फसलों मे प्रति वर्ष कीटध्रोग एवं खरपतवार से होने वाली क्षति एवं कृषि रक्षा रसायनों के अविवेकपूर्ण प्रयोग से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पडता है। जिसके लिये वर्तमान समय मे बुवाई से पूर्व भूमि शोधन एवं बीज शोधन को अपनाया जाना नितांत आवश्यक है। इससे उत्पादन मे वृद्धि होती है तथा कृषकों उत्पादन लागत कम होने से उनकी आय में वृद्धि होने के साथ पर्यावरणीय प्रदूषण भी कम होता है। भूमि जनित कीटध्रोग से बचाव के लिये बुवाई से पूर्व भूमि शोधन हेतु व्यूवेरिया सियाना 1 किग्राध्एकड की दर से 20–25 किग्रा0 सडी गोबर की खाद मे अच्छे से मिलाकर एक सप्ताह के लिये छायादार स्थान पर टाट के बोरे से ढक कर रखना चाहिये। प्रत्येक दिन शाम के समय पानी का छिड़काव करना चाहिये। आखिरी जुताई पर शाम के समय खेत मे बिखेर कर पाटा लगा देना चाहिये। तथा 1 किग्रा बीज शोधित करने के लिये 5–10 ग्राम ट्राइकोडर्मा हारजेनियम का प्रयोग करना चाहिये । अथवा रसायन कार्बेन्डाजिम 50 प्रतिवडब्लू०पी० की 3 ग्रामधकिग्रा० धान के बीज का उपचार करके नर्सरी डालनी चाहिये। जिससे धान की नर्सरी मे लगने वाले रोग जैसे–भूरा धब्बा, सीड बलाइट इत्यादि मे कमी दिखाई देती है। उपरोक्त रसायन जनपद की समस्त कृषि रक्षा इकाइयों पर 50 प्रति अनुदान पर उपलब्ध है।

संक्षिप्त समाचार

स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार तीन युवक एसिड से झुलसे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लाइन बाजार थाना अंतर्गत शुक्रवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में तीन युवक गंभीर रूप से झुलस गए। यह हादसा थाना क्षेत्र के रामदायलगंज पुल के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार ने सामने से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक की डिग्गी में रखा एसिड तीनों युवकों पर गिर पड़ा, जिससे वे बुरी तरह झुलस गए। स्थानीय लोगों की मदद से एंबुलेंस से घायलों को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों की हालत गंभीर देखते हुए वाराणसी रेफर

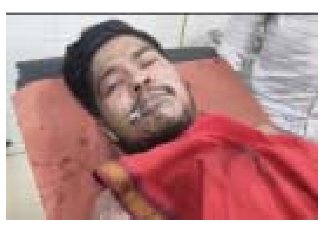

कर दिया। घायल युवक विष्णु सेठ ने बताया कि वे लोग जौनपुर शहर से सोना-चांदी की सफाई में उपयोग होने वाला एसिड लेकर अपने गांव, मड़ियाहूं तहसील के गोला गांव लौट रहे थे। बाइक पर विष्णु सेठ के साथ प्रथम जायसवाल और अभिषेक मोदनवाल भी सवार थे। जैसे ही वे रामदायलगंज पुल के पास पहुंचे, सामने से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के चलते बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई और डिग्गी में रखा एसिड तीनों पर गिर गया। वही इस मामले में थानाध्यक्ष लाइन बाजार सतीश सिंह ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी घायलों को हॉस्पिटल भेज कर गाड़ी को खोजने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही एसिड को लेकर ये लोग कैसे जा रहे थे इसकी जांच की जा रही है।

होटल में किशोरी से दुष्कर्म

लखनऊ, (संवाददाता)। हुसैनगंज निवासी 17 वर्षीय किशोरी से नाका के होटल में नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म और फिर वीडियो व फोटो बनाकर यौन शोषण करने का मामला सामने आया है। किशोरी की मां ने बुधवार को बेटी के इंस्टाग्राम दोस्त बैरूनी खंदक निवासी मो. असद के खिलाफ नाका थाने में दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कराया है। किशोरी की मां के मुताबिक बेटी की वर्ष 2023 में असद ने से दोस्ती हुई थी। असद ने किशोरी को प्यार के जाल में फंसाया और मिलने के बहाने नाका के होटल बुलाया। वहां खाने में नशीला पदार्थ मिलकर किशोरी के साथ दुष्कर्म किया और वीडियो व फोटो बना लिया। आरोप है कि वीडियो व फोटो वायरल करने की धमकी दी तो डरी-सहमी किशोरी ने घर से कुछ रुपये, बाली, कंगन और अंगूठी लेकर आरोपी को दे दिए। इसके बाद भी आरोपी नहीं माना। किशोरी ने विरोध किया तो तेजाब फेंकने की धमकी दी। आजिज आकर पीड़िता ने मां को आपबीती बताई। इंस्पेक्टर वीरेंद्र त्रिपाठी का कहना है कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

फिरौती के लिए युवक का अपहरण, तीन गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। बीकेटी के नगुवामऊ कला गद्दीनपुरवा गांव में 12 मई की शाम पानी टंकी के केयरटेकर इरफान का अपहरण कर लिया गया। आरोप है कि दो कारों में सवार 12 बदमाशों ने खेत पर काम कर रहे इरफान से मारपीट की और जबरन उठा ले गए। अपहरण के कुछ ही घंटों बाद आरोपियों ने इरफान के भाई इमरान से दो लाख रुपये की फिरौती की मांग की।

कर्ज लेकर कमाने निकले थे, मिला जीवनभर का दर्द

लखनऊ, (संवाददाता) बिहार के सीतामढ़ी निवासी राम बालक गांव से कर्ज लेकर पत्नी व बच्चों के साथ कमाने दिल्ली जा रहे थे। उन्होंने गांव में एक परिचित से 3500 रुपये कर्ज लिया था। इसमें तीन हजार रुपये बस के परिचालक ने ले लिए थे। राम बालक ने बताया कि सोचा था कि कमाकर बच्चों के पढ़ाई लिखाई की व्यवस्था करुंगा, लेकिन आंखों के सामने दिल के टुकड़े जल गए। अब बस उनकी यादें बची हैं और जीवन का भर दर्द लेकर वापस जा रहे हैं। बेटे देवराज (4) और बेटी साक्षी 2 की मौत के बाद से राम बालक की पत्नी गुड्डी बेसुध हैं। गुड्डी ने बताया कि उनके पति ने बच्चों को बचाने का बहुत प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सके। धुएं की वजह से कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। गुड्डी सात माह की गभर्वती हैं। प्रशासन की मदद से उनके बच्चों का शव बिहार भिजवाया गया। उधर, पत्नी लख्खी देवी (60) और बेटी सोनी (26) की मौत से अशोक सदमे में हैं। अशोक ने बताया कि वह दिल्ली से पानीपत जाने वाले थे। बेटी के पति ने चार साल पहले आत्महत्या कर ली थी। तब से सोनी उन्हीं के साथ रहती थी। अशोक ने बताया कि उनके दो बेटे प्रयागराज में रहकर मजदूरी करते हैं। प्रशासन की मदद से अशोक पत्नी और बेटी का शव लेकर प्रयागराज रवाना हो गए। दोनों शवों का अंतिम संस्कार प्रयागराज में ही किया जाएगा।

ढाई साल पहले सिर से उठा पिता का साया, अब मां भी छोड़कर चली गई

समस्तीपुर निवासी वृद्ध अशोक महतो के लिए यह हादसा जीवन का सबसे बड़ा सदमा बन गया। उनकी बेटी सोनी (26) और पत्नी लख्खी देवी (60) की भी इस बस हादसे में मौत हो गई। ढाई साल पहले दामाद की आत्महत्या से उबरने की कोशिश कर रहे अशोक अब अपने डेढ़ वर्षीय नाती आदित्य की देखरेख को लेकर चिंतित हैं, जो अब अनाथ हो गया है।

यात्री मधुसूदन (26) अपने दोस्तों के साथ दिल्ली जा रहे थे। उनके साथी रविकिशन ने बताया कि वह मधुसूदन को लपटों में घिरा देखकर कुछ नहीं कर पाए। समय रहते वे और एक अन्य साथी तो बस से निकल गए, लेकिन मधुसूदन को आग ने अपनी चपेट में ले लिया।

सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अलख जगाने वाले दूल्हा-दुल्हन को किया गया सम्मानित

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

दहेज, नशा और जाति-धर्म को लेकर भेदभाव करने जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अलख जगाने वाले दूल्हा-दुल्हन को समाजसेवी जोगराज सिंह ने बुद्ध की मूर्ति भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर पूर्व प्रधान कासिम, किसान नेता रणजीत सिंह राणा फौजी, बबलू पाल, मैनेजर वेद प्रकाश, राजकुमार, विमलेश कुमार और पप्पू आदि ने नव दंपत्ति की सराहना करते हुए आशीर्वाद दिया। यह मौका था प्रदीप कुमार गौतम निवासी लोकपुर, पोस्ट कुसुमा तथा उपासना निवासी पिरालपुर पोस्ट भदेउसा के विवाह का। वर और वधू दोनों ही बौद्ध धर्म के सिद्धांतों के अनुरूप सामाजिक बुराइयों के खिलाफ निरंतर लोगों को जागरुक करते रहते हैं। दोनों ने दहेज रहित विवाह करने का संकल्प लिया। बरातियों और जनातियों से आग्रह किया कि वह विवाह समारोह में शराब पीकर हुड़दंग नहीं करेंगे। समाजसेवी योगराज का कहना है ।

चोरी छिपे छोटे गैस सिलिंडर में लेकर जा रहे थे

लखनऊ , (संवाददाता)। बस में सात छोटे गैस सिलिंडर भी रखे थे। पुलिस का कहना है कि समय रहते सिलिंडरों को बाहर निकाला गया, वरना स्थिति और भयानक हो सकती थी। बस में गैस सिलिंडर लेकर सफर करने की अनुमति नहीं है। बिहार के बेगूसराय से दिल्ली जा रही चांदनी और उनकी मां मधु ने बताया कि सारा सामान राख हो गया। चांदनी दिल्ली में नौकरी के लिए अपनी सारी मार्कशीट लेकर जा रही थी। मधु ने बताया कि झोले में जेवर रखे थे। आग से मार्कशीट व जेवर जल गए। इसीत तरह कई लोग का पूरा सामान राख हो गया। कुछ लोग अपने साथ गेंहू, चावल और अन्य खाने पीने का सामान लेकर जा रहे थे। सूचना पर एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा टीम के साथ पहुंचे। प्राइवेट बस मंगवाकर सभी को हरिकंशगढ़ी चौकी पहुंचाया और खाने-पीने की व्यवस्था कराई। लोग गंतव्य के लिए चले गए। कुछ लोगों के पास पैसे नहीं थे तो पुलिसकर्मियों ने रुपये दिए। 28 जनवरी 2025– प्रयागराज कुंभ स्नान के लिए बहराइच से 40 श्रद्धालुओं को लेकर जा रही प्राइवेट बस मंगलवार रात ढाई बजे मड़ियांव में अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस में सवार 11 लोग घायल हो गए। 10 अप्रैल 2025 – मोहनलालगंज के गोपालखेड़ा गांव में कार को बचाने में निजी बस अनियंत्रित होकर दुकान व बिजली के पोल से भिड़ गई। बस चालक व 15 यात्रियों को मामूली चोटें आई। 13 फरवरी 2025 – काकोरी के मौंदा इलाके में बिहार जा रही यात्रियों से भरी प्राइवेट डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। हादसे में बस में सवार सभी 20 लोग घायल हो गए। 19 जून 2024 – पारा इलाके में दिल्ली के आनंद विहार से लखनऊ आ रही सवारियों से भरी स्लीपर बस पलटी। दो दर्जन सवारियां घायल। 5 सितंबर 2024– मोहनलालगंज के कनकहा गांव के पास वोल्वो बस डिवाइडर से टकरा गई। 50 लोग मामूली रूप से घायल हो गए। बस प्रतापगढ़ के पुरवारा लालगंज से लगभग साठ सवारियां लेकर दिल्ली के आनंद विहार जा रही थी। 14 नवंबर 2024– गोसाईंगंज में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर चलती स्लीपर बस का टायर फटने से आग लग गई। दमकल कर्मियों ने तीन गाड़ियों से करीब 45 मिनट में आग पर काबू पा लिया।

यात्री से ज्यादा कमियां ढो रही थी किसान पथ पर आग का गोला बनी बस

लखनऊ, (संवाददाता) मोहनलालगंज में किसान पथ पर स्लीपर बस (यूपी 17 एटी 6372) में आग की घटना के बाद आरटीओ प्रवर्तन संदीप कुमार पंकज मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना की प्रारंभिक पड़ताल करते हुए उच्चाधिकारियों को सूचित किया। इसके बाद परिवहन आयुक्त बीएन सिंह के निर्देश पर मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर (एमवीआई) विष्णु कुमार ने बस की तकनीकी जांच की। उन्होंने रिपोर्ट परिवहन आयुक्त को सौंपी है। सूत्र बताते हैं कि प्रारंभिक जांच में बस के कागजात तो दुरुस्त मिले, लेकिन तकनीकी स्तर पर बड़ी कमियां सामने आई हैं। बस में अग्निशमन यंत्र के लिए एक भी यंत्र नहीं था। अंदर यात्री छोटे सिलिंडर लेकर यात्रा कर रहे थे जो की बड़ा जोखिम था। बस के इमरजेंसी गेट के रास्ते में यात्रियों के लिए सीटें लगा दी गई थीं। इसके चलते आग लगने पर गेट को खोला नहीं जा सका। बस के अंदर कपड़े के पर्दे लगाए गए थे। ये पर्दे भी आग फैलने का बड़ा कारण बने जिससे आग तेजी से अंदर फैलती गई। खर्च बचाने के लिए बस के इंटीरियर में अग्निरोधी मेटेरियल का इस्तेमाल नहीं किया गया था।

सस्ते मेटेरियल ने तेजी से आग पकड़ी और बेकाबू हो गई। बस के अंदर की गई वायरिंग में भी सस्ते मेटेरियल का इस्तेमाल किया गया था जो संभवतरू शॉर्ट सर्किट की बड़ी वजह था। बस की बॉडी का डाइमेंशन मानकों के अनुरूप नहीं था। अंदर आने-जाने का पैसेज काफी सकरा था जिससे यात्रियों को निकलने में दिक्कत हुई। बसों के पहियों में सेंसर नहीं थे जो कि महंगी बसों में इस्तेमाल किए जाते हैं। इससे पहियों के तापमान पर ड्राइवर की नजर रहती है। एसी स्लीपर बस की जांच 21 बिंदुओं पर की गई। इसमें बस की लंबाई, चौड़ाई, प्रवेशद्वार की ऊंचाई व चौड़ाई, खिड़की का आकार, स्लीपर बर्थ की डिजाइन, ऊपरी व निचली बर्थ के बीच की दूरी, हेडरूम, गैंग वे, सीट विन्यास, सर्विस द्वार, अग्निशमन यंत्र, विंड स्क्रीन, इमरजेंसी गेट के बिंदुओं को जांचा गया है। पूरे थे परमिट, फिटनेस, प्रदूषण के कागज

बस बागपत में ट्रेवेल पॉइंट के नाम से पंजीकृत है। बागपत के सीनियर एआरटीओ प्रशासन ने बताया कि बस का टैक्स 31 मई 2025 तक जमा है। पिछली बार गोरखपुर से बस की फिटनेस करवाई गई थी, जिसकी वैधता 7 अप्रैल, 2026 तक है। बस का इंश्योरेंस 13 जुलाई तक तथा प्रदूषण प्रमाणपत्र 22 मार्च 2026 तक वैध है। बस संचालन के लिए स्पेशल परमिट 10 से 16 मई तक के लिए लिया गया था। पिछले दो वर्ष में बस का चालान एक बार भी चालान नहीं हुआ है। बस में सवार यात्रियों की संख्या को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। परिवहन विभाग के अफसरों के मुताबिक बस 52 सीटर थी। इसमें करीब 46 यात्री सवार थे। वहीं, घटनास्थल पर पहुंचे डीसीपी दक्षिण निपुण अग्रवाल का कहना है कि बस में 70 से अधिक यात्री थे।

डबल नंबर प्लेटें लगाकर चल रहीं डग्गामार बसें

लखनऊ, (संवाददाता) मनकापुर से लखनऊ पहुंची बस में डबल नंबर प्लेटें लगी हुई थीं। यात्रियों को हाईवे पर छोड़ने के नाम पर बिठाया गया और लखनऊ में झूलेलाल पार्क में उतार दिया गया, वहां से ई रिक्शों के जरिये यात्री अपने गंतव्यों तक पहुंचे।

राजधानी में डग्गामार बसें ऐसे ही फर्राटा भर रही हैं। इसमें यात्री ठगे जा रहे हैं। बस संख्या (यूपी 43 बीटी 8027) बृहस्पतिवार को मनकापुर से झूलेलाल पार्क पहुंची। बस में दो नंबर प्लेटें लगी हुई थीं। एक में पूरा नंबर लिखा था तथा उसके ऊपर लगी दूसरी प्लेट में एक अंक गायब था। ऐसा चालान से बचने के लिए किया गया था। बस के यात्री ने बताया कि हाईवे पर उतारने के नाम पर बिठाया गया। 240 रुपये किराया लिया गया, लेकिन यहां छोड़ दिया। शिकायत पर बस संचालक मारपीट पर उतारू हो गया। यही नहीं पॉलीटेक्निक पर डग्गामार बसों का संचालन होता है। इस पर न तो पुलिस, न ही परिवहन विभाग के अफसरों की नजर पड़ रही है। ई रिक्शों के जरिये यात्रियों को इन डग्गामार बसों तक लाया जाता है। मोहनलालगंज में आग का गोला बनी बस में पांच मौतें हो गईं। खास बात यह है कि यह बस बिहार से दिल्ली के बीच 1300 किमी का सफर तय कर रही थी। इस रूट पर करीब 16 आरटीओ के क्षेत्र आते हैं। लेकिन बस में इमरजेंसी गेट बंद होने व अन्य खामियों की पड़ताल किसी ने नहीं की। बस के रास्ते में कुशीनगर, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, अयोध्या, बाराबंकी, लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, कन्नौज, फिरोजाबाद, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, नोएडा और गाजियाबाद के आरटीओ व एआरटीओ के क्षेत्र आए।

दो वांछित आरोपी हत्या मे प्रयुक्त आला कत्ल बरामद कर किया गिरफ्तार

अयोध्या। शुक्रवार को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या मनोज शर्मा के नेतृत्व मे कोतवाली अयोध्या पुलिस ने वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से हत्या में प्रयुक्त आला कत्ल बरामद किया।इस संबंध में उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान दामोदर शरण शर्मा उर्फ बंटू पुत्र स्व0 योगीराज निवासी म0नं0. 5।1। 107 योगी महल मोहल्ला बेगमपुरा थाना कोतवाली अयोध्या व शुभम मिश्रा पुत्र अरविन्द मिश्रा निवासी म0नं0. 3।7।42 मुगलपुरा थाना कोतवाली अयोध्या के रूप में हुई है। पुलिस ने इन्हें माझा उपरहार (को0 अयोध्या क्षेत्र) से गिरफ्तार किया।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम मे अलावा जयकिशोर अवस्थी चौकी.प्रभारी लक्ष्मणघाट व अनुराग पाठक चौकी प्रभारी नयाघाट थाना कोतवाली अयोध्या शामिल रहे।

महाविद्यालय स्तर पर वृहद रोजगार मेले का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। जौनपुर के शैक्षिक इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। पहली बार किसी महाविद्यालय द्वारा जिले के युवाओं के लिए वृहद स्तर पर रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह ऐतिहासिक आयोजन 17 मई को मोहम्मद हसन पी. जी. कॉलेज, जौनपुर के परिसर में किया जाएगा। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने जानकारी देते हुए बताया कि "हमारे संस्थान में नियमित रूप से कैंपस प्लेसमेंट होते रहे हैं, लेकिन इस बार हमारा लक्ष्य महाविद्यालय की सीमाओं से आगे बढ़कर समस्त जनपद के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना है। इस मेले में 12वीं पास से लेकर स्नातकोत्तर डिग्रीधारी युवा–युवतियों के लिए उपयुक्त अवसर उपलब्ध होंगे।" कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अभिषेक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्राचार्य महोदय के नेतृत्व एवं प्रेरणा से देश की विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों से संपर्क स्थापित किया गया, जिनमें से 25 से अधिक कंपनियों ने सहभागिता की पुष्टि कर दी है। इन कंपनियों में निजी बैंक, लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता, रिटेल, तथा एक्सप्रेस डिलीवरी क्षेत्र की अग्रणी संस्थाएं शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा यह रोजगार मेला केवल एक प्लेसमेंट ड्राइव नहीं, बल्कि जिले के युवाओं के लिए आत्मनिर्भरता की ओर एक ठोस कदम है। यह आयोजन पूरे जौनपुर जनपद के लिए गर्व का विषय है।" रोजगार मेले की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। इस आयोजन के माध्यम से हजारों युवाओं को न केवल रोजगार के अवसर, बल्कि एक नई दिशा और आत्मविश्वास मिलने की आशा है।

उद्यान विभाग मे फलदार पौधो की नयी दरे लागू

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिला उद्यान अधिकारी डा0 सीमा सिंह राणा ने अवगत कराया है कि विभागीय राजकीय पौधशालाओ/प्रक्षेत्रो पर उत्पादित फलदार पौधो की दरे पुनरीक्षित एंव अनुमोदित की गयी है। यह दरे 01 अप्रैल, 2025 से लागू होंगी। जो निम्नवत है – कलमी फलदार पौध यथा–आम कलमी (समस्त प्रजातियां) मूल्य रू0 85, अमरूद कलमी (समस्त प्रजातियां) रू0 65, आवंला कलमी (समस्त प्रजातियां) रू0 65, नींबू गूटी (समस्त प्रजातियां) रू0 40, मुसम्मी रू0 40, कटहल कलमी रू0 60, बेल कलमीरू0 62, अनार (कंटिग द्वारा) रू0 35, बीजू पौधे यथा–आम, अमरूद, कागजी नींबू, करौदा, कटहल, पपीता (अन्य प्रजातियां), आवंला बीजू पौध मूल्य रू0 15 है। जिसमें विक्रय दर पौधशाला स्तर की है, इसमे ढुलाई व्यय सम्मिलित नही है। इच्छुक कृषक राजकीय पौधशाला पालीटेक्निक और बक्शा पौधशाला से सम्पर्क कर नकद मूल्य पर कलमी व बीजू पौध प्राप्त कर सकते हैं। किसी भी प्रकार की विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी जौनपुर से सम्पर्क किया जा सकता है।

मिस्टर फेयरवेल शशांक, मिस फेयरवेल सानिया सोनी बनीं

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संगोष्ठी भवन में बी.एससी. बायो ग्रुप के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर द्वितीय वर्ष के छात्रों ने तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. राजीव गौड़ (अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या) ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि "ज्ञान एवं समर्पण के साथ ही लक्ष्य की प्राप्ति संभव है।" उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में आत्मविश्वास एवं धैर्य के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। संकायाध्यक्ष प्रो. राजेश शर्मा ने छात्रों को शोधपरक शिक्षा के प्रति प्रेरित करते हुए उन्हें आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहभागी बनने का संदेश दिया। इस अवसर पर डॉ. एस.पी. तिवारी, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. विवेक पांडेय, डॉ. ऋषि श्रीवास्तव, डॉ. संजीव मौर्य, डॉ. अवधेश मौर्य एवं डॉ. दिनेश कुमार ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में मिस्टर फेयरवेल का खिताब शशांक यादव को एवं मिस फेयरवेल का खिताब सानिया सोनी को प्रदान किया गया। संचालन एवं आयोजन में अंशिका सिंह, अविनाश सिंह, सिद्धार्थ सिंह, मनीष कुमार गुप्ता, आकाश यादव, साहिल कश्यप, दिव्यांशी साहू, सौम्या त्रिपाठी एवं रिया सिंह सहित अनेक विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर व्यवस्थापक धीरज श्रीवास्तव एवं बी.एससी. बायो के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के सभी छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

आस्था आनंद सिंह ,"खेलों इंडिया यूथ गेम्स 2025 " में 65 किलो भार वर्ग प्राप्त किया सिल्वर मेडल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर की पहलवान आस्था आनंद सिंह ,"खेलों इंडिया यूथ गेम्स 2025 " में 65 किलो भार वर्ग में उत्तरप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए,अपने भार वर्ग में सिल्वर मेडल हासिल की । आस्था के कोच श्री अशोक सोनकर जी का कहना है कि आस्था की नियमित प्रैक्टिस को देखकर लगता था की आने वाले समय में इसका इंटरनेशल मेडल निश्चित तौर पर होगा ।आस्था की के पिता श्री माधवानंद सिंह जी और माता मेनका सिंह जो भाजपा की क्षेत्र पदाधिकारी है,दोनों के शानदार मेहनत के परिणाम स्वरूप जौनपुर की बिटिया देश में उत्तर प्रदेश का नाम रोशन कर के आई हैं । आस्था बड़ेपिताजी श्री सच्चिदानंद सिंह जो कि पूर्व जिलापंचायत सदस्य सुरहन आजमगढ़ रह चुके हैं बिटिया के जीत से बहुत प्रसन्न हैं ।दूसरे बड़े पिताजी जो की हैंडबाल के पूर्व कोच उत्तर प्रदेश पुलिस टीम श्रीविवेकानंद सिंह जी वर्तमान ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर मिर्जापुर में है बिटिया के प्रयास को सराहा है ।आस्था अपनी जीत के लिए प्रेरक अपने दादा स्वर्गीय गुलाब सिंह जी मास्टर जी,जो की मार्टिनगंज सुरहन आजमगढ़ के निवासी थे,उनको मानती है । अभी जल्दी ही आस्था को आदरणीय ज्ञान प्रकाश सिंह जी द्वारा आशीर्वाद स्वरूप 51000 की सहयोग राशि भी प्राप्त हुई थी ।आस्था के चाचा श्री परमानंद सिंह का कहना है कि आनंद परिवार की शान आस्था आनंद एक दिन पूरे विश्व में आनंद परिवार का नाम रोशन करेगी ।बिटिया के शानदार प्रदर्शन में परिवार और जिले में उत्साह का माहौल है ।जिला कुश्ती संघ महासचिव श्री विजय बहादुर सोनकर , जिलाध्यक्ष कुश्ती संघ कमला यादव,धर्मेंद्र यादव जी,दिनेश यादव जी गाजीपुर कोच कमलेश कुमार यादव जी,रामानंद यादव जी बिटिया को शुभकामये प्रेषित किए हैं ।

कर्मचारी, पेंशनर्स मसीहा स्व0 बी यन सिंह की पुण्य तिथि 18 मई को होगी. श्रद्धाजलि सभा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर कर्मचारी पेंशनर्स के हितो के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले स्व0 बी यन सिंह की छब्बीसवी पुण्य तिथि गत वर्ष की भाँति कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पेंशनर्स कार्यालय पर पुर्वान्ह ग्यारह बजे श्रध्दांजलि सभा आयोजित कर मनायी जाएगी । सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के सभी साथी उपस्थित होकर श्रद्धाजलि अर्पित करेगे, तथा वर्तमान केंद्र एवं राज्य सरकार के कर्मचारी पेंशनर्स बिरोधी नितियो के बिरूध्द स्व0 बी यन0 सिंह के संघर्ष को स्मरण करते हुए सरकार के आम बजट मे पास वित्त बिधेयक 2025 को तत्काल वापस लेने की मांग करेगे। इसी तरह भविष्य मे पेंशनर्स कर्म चारी हितो के लिए सतत संघर्ष का संकल्प लेगे। इस आशय की जानकारी जिला अध्यक्ष सी बी सिंह एवं जिला मन्त्री कृपाशंकर उपाध्याय ने संयुक्त रूप दिया है।

निरीक्षण के दौरान सह जिला विद्यालय निरीक्षक को मिले 12:00 के बाद खुले मिले बिना मान्यता के संचालित स्कूल

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले में संचालित बगैर मान्यता व पंजीकरण के चल रहे स्कूल कॉलेजों तथा कोचिंग पर जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर पवन कुमार तिवारी द्वारा बनाई गई समिति मे शामिल सह जिला विद्यालय निरीक्षक अवनीश कुमार पांडे ने अपनी टीम के साथ लगातार छापामारी कर रहे हैं ।शुक्रवार को उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारी नगर तारकेश्वर पांडे तथा पूरा बाजार खंड शिक्षा अधिकारी रियाजुड्डून के साथ सोहावल क्षेत्र में छापा मारा ।छापे के दौरान उन्होंने कई गैर मान्यता व पंजीकरण के चल रहे कई स्कूल कॉलेज व कोचिंग ऐसे मिले जो दोपहर 12रू00 के बाद खुले थे ।इस संबंध में सह जिला विद्यालय निरीक्षक अवनीश कुमार पांडे ने बताया कि उन्होंने शुक्रवार को सोहावल क्षेत्र में स्वामी विवेकानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़ागांव सोहावल,एस एन सर्वोदय बाल शिक्षा निकेतन बड़ागांव सोहावल सहित कई विद्यालयों तथा कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया। बताया कि स्वामी विवेकानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोहावल तथा एस एन सर्वोदय बाल शिक्षा निकेतन के संचालक इतने शातिर दिखे कि उन्होंने अपने–अपने संस्था का संचालन 12रू00 दोपहर के बाद इसलिए किया था कि उस समय शिक्षा विभाग के कोई अधिकारी व कर्मचारी निरीक्षण करने ना पहुंचे ।बताया कि ये सभी विद्यालयों की मान्यता नहीं हैं ।इनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही करने के लिए शीघ्र ही अपनी रिपोर्ट जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ पवन कुमार तिवारी को सौंपेंगे ।बताया कि यह चेकिंग अभियान लगातार जिले के सभी विकास खंडो में लगातार जारी रहेगा ।उन्होंने ऐसे सभी कोचिंग तथा स्कूल कॉलेजों के संचालकों से अपील किया है कि जिन लोगों का मान्यता तथा पंजीकरण जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से नहीं हुआ है वह समय रहते करा ले ।अगर जांच में दोषी पाए गए तो उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

सिविल डिफेंस ने लखनऊ पब्लिक स्कूल में आपदा से बचाव हेतु बच्चों को प्रशिक्षित किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सिविल डिफेंस ने आपदा से बचाव हेतु स्कूल के बच्चों को प्रशिक्षित करने हेतु आज राजाजीपुरम स्थित लखनऊ पब्लिक स्कूल में नागरिक सुरक्षा की उपनियंत्रक अनिता प्रताप के निर्देश पर वरिष्ठ सहायक उपनियंत्रक मनोज वर्मा ने बचाव हेतु प्रशिक्षण स्कूल के बच्चों को दिया गया। जहां बड़ी संख्या में एकत्रित बच्चों को माकड्रिल के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।

वरिष्ठ सहायक उपनियंत्रक मनोज वर्मा ने कहा कि युद्ध हो या आपदा हो, दोनों के बचाव और हवाई हमले से होने वाली जन धन की क्षति को काम किया जा सकता है, पर यदि सही समय पर हवाई हमले की सूचना आम नागरिक को सायरन के माध्यम से प्राप्त हो जाती है, तो सावधान हो सकते है। यदि सायरन की आवाज दो मिनट तक लगातार ऊंची नीची आवाज में सुनाई दे, तो ये निश्चित जान ले हवाई हमला कुछ ही समय में होने वाला है। ऐसे में हर व्यक्ति को शरण लेना चाहिए। यदि आप खुले मैदान में है तो आपको तुरंत ही पेट के बल लेट जाना चाहिए और कमर से ऊपर का पार्ट जमीन से ऊपर उठाकर रखना चाहिए, आंख बंद कर ले और कान को हाथों से जोर से बंद कर ले और दांतों के बीच रुमाल को रख लें। इस प्रक्रिया से बम के प्रभाव से आपके शरीर के प्रमुख अंग दिल, आंख, कान, जीभ सुरक्षित रहते हैं। अगर आपदा से पूर्व जनमानस को प्रशिक्षित कर दे तो बड़ी संख्या में संभावित जन हानि से बचा जा सकता है। श्री वर्मा ने कहा हमला या आपदा के दौरान जलते हुए गैस सिलेंडर को बाहर निकालकर उसकी आग पर काबू पाना। घरों में लगी आग को बुझाने, घरों में फंसे लोगों का रेस्क्यू कर बचाओ कार्य और घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार देना।

स्कूल की प्रधानाचार्य भारती गोसाई ने वरिष्ठ सहायक उपनियंत्रक मनोज वर्मा, सहायक उपनियंत्रक ऋषि कुमार, एडीसी मुकेश कुमार, राजाजीपुरम प्रखण्ड के वार्डेन रामगोपाल सिंह, मयंक कुमार श्रीवास्तव, रेखा मिश्रा, गोपाल कुमार शर्मा, संतोष वाजपेई, विजय कुमार धाकरे, अमान खान, संजय वर्मा को प्रतिभाग करने के लिए पौधा भेट किया। मौके पर निरीक्षक राजेश कुमार श्रीवास्तव, हेड इंचार्ज कंचन पाण्डेय, मयूरी कपूर, अंजली राय, इंद्राणी बनर्जी, छबि रस्तोगी, मानसी शुक्ला आदि मौजूद रहे।

दिव्याग बच्चों हेतु नि:शुल्क दंत परीक्षण शिविर का आयोजन डॉ शुभम श्रीवास्तव ने लगाया कैंप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर दंत स्वास्थ्य के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए, डॉक्टर शुभम श्रीवास्तव व डॉक्टर सृष्टि सिन्हा ने सिन्हा डेंटल हास्पिटल, उमरपुर, रुहट्टा में 30 से ज्यादा दिव्यांग बच्चों के दांतों का नि:शुल्क परीक्षण किया। यह नेक पहल विशेष आवश्यकता वाले बच्चों षदिव्यांग ष के लिए मौखिक स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करने के उनके समर्पण का हिस्सा थी।

इस कार्यक्रम का आयोजन राजेश स्नेह ट्रस्ट आफ एजुकेशन, रुहट्टा, जौनपुर के सहयोग से किया गया था और इसका उद्देश्य दिव्यांग बच्चों और उनके परिवारों को दंत स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूक करना था। डॉक्टर शुभम और डॉक्टर सृष्टि ने प्रत्येक बच्चे की विशिष्ट जरूरतों का ध्यान रखते हुए धैर्यपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ दंत परीक्षण किए। उन्होंने मौखिक स्वच्छता बनाए रखने और दंत समस्याओं को रोकने के बारे में बहुमूल्य मार्गदर्शन भी प्रदान किया। डॉक्टर शुभम ने कहा, षविशेष या दिव्यांग बच्चों को अक्सर अपनी विशेष जरूरतों के कारण दंत चिकित्सा देखभाल तक पहुँचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हमारा उद्देश्य एक ऐसा समावेशी वातावरण बनाना है जहाँ हर बच्चा स्वस्थ मुस्कान का हकदार हो।

डॉक्टर सृष्टि ने कहा, हम इन बच्चों और उनके विद्यालय परिवारों से मिले प्यार और समर्थन से अभिभूत हैं। उनके चेहरे पर मुस्कान देखना हमारे लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है।ष

आयोजन में भाग लेने वाले बच्चों के साथ 'राजेश स्नेह ट्रस्ट आफ एजुकेशन' के संस्थापक डॉ राजेश कुमार व मेरा गांव मेरी जिम्मेदारी के प्रणेता प्रदीप मिश्र ने डॉक्टर शुभम और डॉक्टर सृष्टि के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस तरह की समर्पित सेवा प्रदान करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

डॉक्टर शुभम और डॉक्टर सृष्टि नियमित रूप से इस तरह के परोपकारी कार्य करते रहते हैं, जिससे समाज के वंचित वर्गों तक गुणवत्तापूर्ण दंत चिकित्सा देखभाल पहुँचाई जा सके। उनकी यह पहल दूसरों को भी प्रेरित करती है कि वे जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएँ।

डॉ शुभम श्रीवास्तव व डॉ सृष्टि सिन्हा ने सभी दिव्यांग बच्चों को नि:शुल्क टूथ ब्रश,पेस्ट, माउथ वाश, सर्टिफिकेट , बेटाडीन मेडिसिन वितरित किए और दांतों का चेकअप एवं दांतों की सफाई किए ।विशेष शिक्षिका हेमू वर्मा ने दन्त परीक्षण में अतुलनीय सहयोग किया

संस्था के कोषाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने सभी उपस्थित जनों के प्रति आभार प्रकट किया।

इस मौके पर विपुल विश्वकर्मा अधिवक्ता , भूतपूर्व प्रशासनिक अधिकारी सीएमओ कार्यालय ऑफिस के संतोष श्रीवास्तव संस्था की सचिव किरन डॉ राजेश कुमार गुप्ता और हॉस्पिटल कर्मचारी गण इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

युवक–युवतियों से, स्वयंसेवक के रूप में, आगे बढ़कर नागरिक सुरक्षा कोर में भर्ती होने की अपील

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। देश की आतरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने हेतु नागरिक सुरक्षा कोर की स्थापना की गई है। राष्ट्रहित में नागरिक सुरक्षा कोर क माध्यम से स्वयसेवक के रूप में कार्य करने के लिये नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं, की भर्ती का आहध्वान किया जा रहा है। यह आहवान युवा नागरिकों को राष्ट्रहित में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिये सशक्त बनाने के एक दोस प्रयास का हिस्सा है. खासकर आपात स्थितियों और संकट के दौरान। इस पहल का उध्देश्य एक अच्छी तरह से प्रशिक्षित, उत्तरदायी और लचीला स्वयंसेवी बल बनाना है जो प्राकृतिक

आपदाओं, दुर्घटनाओं, सार्वजनिक आपात स्थितियों के समय अपने नागरिकों एवं प्रशासन की सहायता कर सके। वर्तमान परिदृश्य और उमरती सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए. एक मजबूत, समुदाय–आधारित प्रतिक्रिया तंत्र स्थापित करने की तत्काल आवश्यकता है। नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों को बचाव और निकासी अभियान, प्राथमिक चिकित्सा और आपातकालीन देखभाल, यातायात प्रबंधन, भीड नियंत्रण, सार्वजनिक सुरक्षा और आपदा प्रतिकिया और पुनर्वास प्रयासों में प्रशिक्षित करना है, ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर आम नागरिकों की सहायता कर सकें। एक तैयार और प्रशिक्षित नागरिक बल का महत्व पहले से कहीं अधिक है। अतः देशहित में, नागरिक सुरक्षा कोर जनपद लखनऊ जिले के समस्त युवक–युवतियों से, स्वयंसेवक के रूप में, आगे बढ़कर कोर में भती होने की अपील करता है।

सोहवल मे कृत्रिम अंग सहायक उपकरण चिन्हांकन कैम्प का हुआ आयोजन

अयोध्या। शुक्रवार को जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे के निर्देश पर विकास खण्ड परिसर सोहावल में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा कृत्रिम अंग सहायक उपकरण चिन्हांकन कैम्प का आयोजन किया गया। जहां पर भारी संख्या में इस कैंप में लाभ लेने के लिए दिव्यांगजन पहुंचे हुए थे। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी चंद्रेश त्रिपाठी ने बताया इस कैम्प में आए हुए दिव्यांगजन ट्राईसाईकिल 31, व्हील चेयर 02, कृत्रिम अंग (बनावटी हाथ, पैर)12 और एम०आर० किट हेतु 03 चिन्हित किए गए। इस प्रकार कुल 48 दिव्यांगजन का चिन्हांकन किया गया। कैंप में मुख्य रूप से सीएमओ डॉ

सुशील कुमार के स्तर से गठित चिकित्सीय दल के सदस्य, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के कर्मचारीगंण एवं विकास खण्ड परिसर के सम्बंधित कर्मचारीगण उपस्थित रहे। उन्होंने यह भी बताया कि 19 मई दिन सोमवार को विकास खण्ड हरिंग्टनगंज में चिन्हांकन कैम्प का आयोजन किया जायेगा।

जिले में शीघ्र ही खुलेगे आठ नए थाना सहित दो पुलिस चौकी - एसपी ग्रामीण

(डॉक्टर जायसवाल जिला संवाददाता)

अयोध्या ।जिले में 8 नये थानों के साथ–साथ 2 नये पुलिस चौकी खोलने की कवायद पुलिस विभाग द्वारा शुरू हो गई है। जिसमें देवकाली,दर्शन नगर तथा हवाई पट्टी पुलिस चौकी भी शामिल है जो आने वाले दिनों में थानों का रूप लेगे। इस संबंध में एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि इसका प्रस्ताव पुलिस मुख्यालय के लिए भेज दिया गया है ।वहां से प्रस्ताव की मंजूरी होने के बाद यहां पर थाना व चौकी खोलने की कवायत शीघ्र ही शुरू कर दी जाएगी ।उन्होंने बताया देवकाली पुलिस चौकी, हवाई पट्टी पुलिस चौकी, सहादतगंज पुलिस चौकी जहां थानों का रुप लेगी ।वही शहर मे साइबर थाना भी खुलेगा ।इसके अलावा शहर मे पर्यटक थाना भी खुलेगा ।जिसका लाभ रामनगरी में आने वाले श्रद्धालुओं तथा पर्यटको को मिलेगा। इसी थाना पर पर्यटनों के शिकायतों का शीघ्र से शीघ्र निस्तारण होगा ।इसके अलावा हनुमानगढी पर थाना खोलने का प्रस्ताव ऊपर मंजूरी के लिए भेजा गया है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।